माघ कृष्ण पक्ष - 3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 184 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
06 जनवरी 2026
मंगलवार

आज का मौसम
18.2 अधिकतम
3.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

3.8° पर कांपा भोपाल, सीजन में सबसे कम

इस हफ्ते यूं ही सताएगी सर्दी, स्कूलों में छुट्टी के फैसले का अब भी इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का दौर जारी है। इस बीच राजधानी भोपाल में पारा इस सीजन के न्यूनतम स्तर पर आ गया है। मंगलवार तड़के पारा 3.8 डिग्री दर्ज किया गया। एक ही रात में तापमान में 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बड़े शहरों में भोपाल सबसे ठंडा रहा। इंदौर में 8.6 डिग्री, ग्वालियर में 7.3 डिग्री, उज्जैन और जबलपुर में 7.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं बीती रात प्रदेश के कई जिलों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक गिर गया। कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे के चलते 24 जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है, वहीं 7 जिलों में स्कूलों की टाइमिंग बदली गई है।

भोपाल में कड़ाके की सर्दी के बावजूद अभी भी स्कूलों में छुट्टी करने के आदेश का इंतजार किया जा रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि इस सप्ताह सर्दी से राहत मिलने के आसार नहीं है। बाकी 24 जिलों में फिलहाल कोई आदेश जारी नहीं हुआ, जिससे वहां के बच्चे तेज ठंड में स्कूल जा रहे हैं। घने कोहरे का असर दतिया में सबसे ज्यादा देखने को मिला, जहां विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई। ग्वालियर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, खजुराहो, रायसेन, नौगांव, रीवा, गुना, नर्मदापुरम, मंडला, सतना, उज्जैन, श्योपुर, रतलाम, इंदौर, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर और सीधी समेत कई जिले कोहरे की चपेट में रहे।

नवोदय स्कूल की छात्रा की मौत

धार के बदनावर इलाके में आज सुबह नवोदय विद्यालय मुलथान में कक्षा छठी की छात्रा की स्कूल ग्राउंड में खड़े-खड़े साइलेंट अटैक आने से मौत हो गई। बच्ची का नाम निशा पिता राहुल सूर्यवंशी 13 साल निवासी ग्राम मुलथान बताया गया है। वह रोज की तरह सुबह पीटी के लिए मैदान में अन्य बच्चों के साथ गई थी। तभी 7:15 बजे वह अचानक गिरी तो बच्चों व मैदान में मौजूद शिक्षक उसे अस्पताल लेकर गए, लेकिन बचाया नहीं जा सका। उसे सर्दी लगने की आशंका है, लेकिन अटैक का कारण स्पष्ट नहीं है।

विवादों का कैंपस... पहले भी आते रहे हैं आपत्तिजनक बयान

स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा बोलीं- हर साल होता है प्रदर्शन

जेएनयू में उमर और शरजील का समर्थन 'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगे

नईदिल्ली, एजेंसी

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी कि जेएनयू में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन और आपत्तिजनक नारेबाजी हुई है। यह प्रदर्शन और नारेबाजी दिल्ली दंगे के आरोपी उमर खालिद और देशद्रोह के आरोपी शरजील इमाम के समर्थन में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छात्रों ने 'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी', 'अंबानी राज की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' और 'अडानी की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' जैसे नारे लगाए, जिसके बाद विवाद गहरा गया है। बता दें कि देश के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शुमार यह यूनिवर्सिटी पिछले कुछ सालों से लगातार विवादों में घिरी रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, विवादित नारेबाजी और प्रदर्शन रात के समय साबरमती हॉस्टल के बाहर हुआ। प्रदर्शन के दौरान वामपंथी छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भी नारेबाजी की। सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके विरोध में यह प्रोटेस्ट हुआ। ये नारेबाजी उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन की गई। शरजील इमाम पर देशद्रोह का मुकदमा चल रहा है, क्योंकि उसने 'चिकेन नेक' को काटकर नॉर्थ ईस्ट को भारत से अलग करने की बात कही थी। वहीं, उमर खालिद पर दिल्ली दंगों में भूमिका को लेकर मामला चल रहा है।

पहले भी विवादित नारेबाजी: बता दें कि उमर खालिद और शरजील इमाम दोनों फिलहाल जेल में बंद हैं। यह परिसर इससे पहले भी कई बार आपत्तिजनक नारों को लेकर विवादों में रहा है। इस ताज़ा घटना ने फिर इसे विवादों में ला दिया है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा था कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों से पता चलता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की 'साजिश रचने, लामबंदी करने और रणनीतिक दिशा-निर्देश देने' में शामिल थे।

जेएनयू कैंपस में रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

सांपों के फन कुचले जा रहे : कपिल मिश्रा

जेएनयू में हुई नारेबाजी पर भाजपा नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने एक्स पर कहा, सांपों के फन कुचले जा रहे हैं तो सपोले बिलबिला रहे हैं। कैम्पस में नक्सलियों, आतंकियों, दंगाइयों के समर्थन में भद्दे नारे लगाने वाले हताश हैं क्योंकि नक्सली खत्म किए जा रहे हैं, आतंकी निपटाए जा रहे हैं और दंगाइयों को कोर्ट पहचान चुका है।

गुस्सा जाहिर करने का तरीका -उदित राज

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि यह दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उमर और शरजील के साथ ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं। उन दोनों के साथ नाइंसाफी हुई है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली पुलिस को जानकारी नहीं

जेएनयू में लगे नारों को लेकर दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने अनभिज्ञता जताई है। फिलहाल इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने मामले से जुड़ी जानकारी मांगी है और जांच की जा रही है। वहीं, जेएनयू स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे। दूसरी और जेएनयू के विद्यार्थी परिषद् से जुड़े उपाध्यक्ष मनीष चौधरी ने कहा, शरजील इमाम और उमर खालिद को बेल न मिलने पर जो प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी हुई है, वह सही नहीं है। वे दिल्ली दंगों में शामिल लोगों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जब विवादित नारे लगाए जा रहे थे, उस समय छात्रसंघ के संयुक्त सचिव दानिश अली और सचिव सुनील मौके पर मौजूद थे। इसके अलावा वामपंथी संगठनों से जुड़े कई छात्र भी वहां एकत्र हुए थे।

न्यूज विंडो

बिल्डिंग में आग, एक ही परिवार के तीन लोग जले

नई दिल्ली, एजेंसी। आदर्श नगर स्थित दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) क्वार्टर में देर रात लगी आग में एक परिवार के तीन सदस्यों की जलकर मौत हो गई। मृतकों की पहचान 42 साल के अजय विमल, उनकी पत्नी नीलम और 10 साल की बेटी जाह्नवी के रूप में हुई है। दमकल कर्मियों के मुताबिक देर रात 2.39 बजे पांचवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के बाद दमकल कर्मियों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कमरे से तीन जले हुए शव मिले।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी का 81 की उम्र में निधन

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 81 साल के थे। कलमाड़ी को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली।कलमाड़ी के आधिकारिक कार्यालय के मुताबिक उनका पार्थिव शरीर दोपहर 2 बजे तक कलमाड़ी हाउस एरंडवणे में रखा जाएगा। अंतिम संस्कार दोपहर 3.30 बजे वैकुंठ श्मशान पुणे में होगा।

एक पायलट और खेल प्रशासक, कॉमनवेल्थ के बाद खूब हुई चर्चा : पेज 8

आज का कार्टून

एम्स भोपाल में दिल्ली की तर्ज पर बनेगा ट्रॉमा सेंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में करीब एक हजार करोड़ रुपये के विस्तार की योजना को लेकर दिल्ली में भारत सरकार की स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी (एसएफसी) की बैठक हुई। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को विस्तार का पूरा प्लान सौंपा। इस योजना के तहत एम्स परिसर में ही हेलीपैड बनाया जाएगा, जिससे एयर एम्बुलेंस का संचालन सुलभ हो सकेगा। सांसद शर्मा ने बताया कि एम्स में 200 बेड का अत्याधुनिक अपेक्स आन्कोलॉजी सेंटर (कैंसर

अस्पताल) बनाया जाएगा। आंकड़ों के अनुसार, एम्स भोपाल में हर साल 36 हजार से ज्यादा कैंसर मरीज आते हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत मरीज भोपाल के बाहर के जिलों जैसे आगर मालवा, रायसेन और विदिशा से होते हैं। इसके साथ ही एम्स दिल्ली के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा 'लेवल-1 अपेक्स ट्रामा सेंटर' भी तैयार होगा। 150 बेड वाले सेंटर के पहले चरण के लिए 295 करोड़ रुपये का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है।

रोबोटिक सर्जरी और हाई-टेक सुविधाएं: एम्स भोपाल का यूरोलॉजी विभाग अब दुनिया की सबसे उन्नत 'द विंची रोबोट 4.0' प्रणाली से लैस होगा। लगभग 30 करोड़ की लागत वाले इस सिस्टम के लगने के बाद एम्स भोपाल सेंट्रल इंडिया का पहला सरकारी संस्थान बनेगा।

सरबजीत कौर की भारत वापसी फिर अटकी, वाघा बॉर्डर से वापस लौटाया

अमृतसर , एजेंसी

पाकिस्तान में रह रही भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर की भारत वापसी एक बार फिर अधर में लटक गई है। सोमवार को उसे अटारी-वाघा अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत भेजे जाने की पूरी तैयारी थी लेकिन ऐन वक्त पर पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने उसकी वतन वापसी पर रोक लगा दी। सीमा पर मौजूद भारतीय एजेंसियों को भी खाली हाथ लौटना पड़ा। पंजाब के कपूरथला की रहने वाली सरबजीत कौर सिख श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ पाकिस्तान गई थी। वहां पहुंचने के बाद वह लापता हो गई। बाद में सामने आया कि उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम नूर हुसैन रखा और पाकिस्तानी नागरिक नासिर हुसैन से निकाह कर लिया। इस मामले को लेकर पाकिस्तान में कानूनी विवाद शुरू हो गया था। स्थानीय अदालत ने हाल ही में सरबजीत कौर को भारत भेजने के आदेश दिए थे। इसके बाद पाकिस्तानी पुलिस ने उसे तलाश कर सोमवार को वाघा बॉर्डर पहुंचाया। इमिग्रेशन और कस्टम से जुड़ी औपचारिकताएं भी लगभग पूरी हो चुकी थीं, लेकिन ऐन मौके पर लौटा दिया गया।

सोनिया गांधी को गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सोनिया गांधी की तबीयत खराब होने के चलते उन्हें दिल्ली के सर गंगा राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह ठीक हैं और उन्हें चेस्ट फिजीशियन की देखरेख में रखा गया है। उधर, हॉस्पिटल के एक सूत्र ने बताया कि वह एक रूटीन चेक-अप के लिए भर्ती है, लेकिन उन्हें पुरानी खांसी की समस्या है। उनके स्वास्थ्य को लेकर जल्द ही अस्पताल की ओर से बुलेटिन आने की संभावना है।

इंदौर मामले में सुनवाई, हाईकोर्ट ने कहा

शहर का पानी पीने लायक नहीं हम मुख्य सचिव को सुनेंगे

इंदौर, एजेंसी

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर एमपी हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में सुनवाई चल रही है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि इस घटना ने शहर की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है, लेकिन अब दूषित पेयजल की वजह से यह पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है। कोर्ट ने कहा कि पीने का पानी ही अगर दूषित हो तो यह बेहद गंभीर चिंता का विषय है। हम इस मामले में मुख्य सचिव को सुनना चाहते हैं, क्योंकि यह समस्या सिर्फ शहर के एक हिस्से तक सीमित नहीं है। दरअसल, पूरे इंदौर शहर का पीने का पानी सुरक्षित नहीं है।

दूषित पानी पीने से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी अस्पतालों में 110 मरीज भर्ती हैं। अब तक कुल 421 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती किया जा चुका है। इनमें से 311 मरीज अस्पताल से डिस्चार्ज किए जा चुके हैं।

याचिकाकर्ता बोले- पानी पीने लायक नहीं

31 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को यह निर्देश दिया था कि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस पर एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की गई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी है कि प्रभावित क्षेत्र में अब भी जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह दूषित है, न कि स्वच्छ और पीने योग्य।

समय रहते नहीं सुनी गई शिकायतें

अन्य याचिकाओं में यह मुद्दा भी उठाया गया है कि इस घटना से पहले ही स्थानीय निवासियों की ओर से कई शिकायतें की गई थीं, लेकिन प्रशासन ने उन पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

मेट्रो एंकर

25 फीसदी उम्मीदवारों को मैरिट के आधार पर परमानेंट करने का है नियम

अग्निवीरों पर बंधन... शादी कर ली तो भूल जाएं पक्की नौकरी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना में अग्निवीर के तौर पर देश सेवा कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी पाबंदी लगाई जा रही है। यह है उनकी शादी। जो अग्निवीर सेना में स्थायी नौकरी चाहते हैं उनके लिए केवल शारीरिक और मानसिक रूप से दक्ष होना ही काफी नहीं होगा, बल्कि उनके वैवाहिक स्टेटस पर भी सेना की पैनी नजर रहेगी। सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि स्थायी सैनिक बनने की रेस में वही अग्निवीर शामिल हो पाएंगे,जो प्रक्रिया पूरी होने तक अविवाहित रहेंगे। यानी अगर शादी कर ली तो स्थायी सेवा के लिए सेलेक्शन नहीं होगा।

उल्लेखनीय होगा कि 25 फ़ीसदी अग्निवीरों को आगे स्थायी सेवा में रखने नियम है जो मेरिट के आधार पर होगा। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक अब

सेवा के दौरान या स्थायीकरण की चयन प्रक्रिया के बीच विवाह बंधन में बंधना किसी भी अग्निवीर के करियर के लिए भारी पड़ सकता है। स्थायी नियुक्ति से पहले शादी कर ली तो उसे नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों को आगे की चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने अग्निवीर रहते हुए शादी कर ली, उनकी योग्यता कितनी भी बेहतर क्यों न हो, आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा।

इसी साल पूरा होगा पहला बैच

साल 2022 में शुरू हुई इस योजना का पहला पड़ाव अब करीब है। जून-जुलाई 2026 के आसपास पहले बैच के लगभग 20 हजार अग्निवीरों का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। कुल बैच में से केवल एक चौथाई (25 प्रतिशत) को ही सेना में रुकने का मौका मिलेगा। इसके लिए लिखित परीक्षा, फिजिकल टेस्ट और सर्विस रिकॉर्ड के आधार पर मेरिट बनेगी। सीमित सीटों और सख्त नियमों के चलते प्रतिस्पर्धा काफी चुनौतीपूर्ण होने वाली है।

आखिर कब तक रहना होगा कुंवारा?

अग्निवीरों के मन में उठ रहे सवालों का जवाब भी सेना ने साफ कर दिया है। सेवा के 4 साल पूरे होने के बाद, स्थायीकरण की प्रक्रिया में लगभग 4 से 6 महीने का अतिरिक्त समय लगता है। नियमों के अनुसार, जब तक स्थायी नियुक्ति की अंतिम मेरिट लिस्ट में नाम नहीं आ जाता और ज्वाइनिंग नहीं हो जाती, तब तक जवानों को विवाह से परहेज करना होगा। एक बार 'परमानेंट' ठप्पा लगने के बाद वे अपनी मर्जी से घर बसा सकेंगे।

20 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के नए रैक 15 दिन इंतजार के बाद वाराणसी भेज दिए

भोपाल-लखनऊ वंदे भारत का इंतजार बढ़ा... 700 मीटर की पिट लाइन 3 साल में भी अधूरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जरा सोचिये जहां चार साल में पीपीपी मॉडल पर बना रानी कमलापति रेलवे स्टेशन देश का आधुनिक स्टेशन बन गया, वहां 700 मीटर की एक पिट लाइन तीन साल में भी पूरी नहीं हो सकी। नतीजा यह है कि भोपाल के यात्रियों को लखनऊ के लिए वंदे भारत जैसी तेज और आधुनिक ट्रेन अब तक नसीब नहीं हो पाई। वहीं दिल्ली रूट के लिए आई 20 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के नए रैक 15 दिन इंतजार के बाद वाराणसी भेज दिए गए।

लागत हुई दोगुनी, निर्माण अधूरा

दरअसल, मई 2023 में शुरू हुआ पिट लाइन का निर्माण अभी तक अधूरा है। लेटलतीफी की वजह से लागत दोगुनी हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि रानी कमलापति कोचिंग डिपो में नई पिट लाइन का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान में ट्रैक की लेवलिंग, पिट लाइटिंग, ट्रैक प्रोसेसिंग, फिनिशिंग वर्क और ड्रेनेज कवरिंग के काम कराये जा रहे हैं। मार्च तक इन्हें पूरा करा लिया जाएगा। इस निर्माण पर 14.34 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इस परियोजना के तहत सिविल निर्माण कार्य एम/एस वीवीसी रियल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड गुना द्वारा किया जा रहा है, जबकि इलेक्ट्रिकल निर्माण कार्य एम/एस सैनफील्ड इंडिया लिमिटेड भोपाल को सौंपा गया है।

भोपालवासियों को किसी भी दिशा में वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात नहीं मिल सकी, जिससे यात्रियों में निराशा बढ़ती जा रही है। आरकेएमपी और हजरत निजामुद्दीन के बीच संचालित भोपाल एक्सप्रेस को भी इसी स्थिति का सामना करना पड़ा।

दो वंदे भारत प्रतीक्षा में

भोपाल से लखनऊ और पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत नवंबर 2024 में प्रस्तावित की गई थी, भोपाल-पटना वंदे भारत का ट्रायल नवंबर के दूसरे सप्ताह में किया जाना था, लेकिन पिटलाइन में देरी की वजह से यह टलता रहा। 2026 की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन अब तक

क्यों जरूरी है पिट लाइन

पिट लाइन से ही ट्रेन के नीचे से ब्रेक सिस्टम, अंडरफ्रेम, इलेक्ट्रिकल और सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच की जाती है। वंदे भारत पूरी तरह हाइटेक इलेक्ट्रिक ट्रेन है, जिसके लिए दैनिक मेंटेनेंस और सुरक्षा प्रमाणन जरूरी है। पिट लाइन के बिना इसका सुरक्षित संचालन संभव नहीं है।

सलाहकार समिति का पक्ष

भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू होने से पुष्पक एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस और भोपाल-प्रतापगढ़ एक्सप्रेस पर यात्रियों का दबाव कम होगा। साथ ही लखनऊ के लिए तेज और सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। पिट लाइन सुविधा पूरी न होने से इस महत्वपूर्ण सेवा की शुरुआत में देरी हो रही है, जिससे यात्रियों को अपेक्षित सुविधा का इंतजार करना पड़ रहा है।

बोर्ड परीक्षाओं पर अब रहेगा 'डिजिटल' पहरा

16 लाख छात्रों की परीक्षा की होगी ऑनलाइन निगरानी, केंद्रों पर लगेंगे जैमर और सीसीटीवी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं सात फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। इस बार परीक्षा को पूरी तरह 'लीक-प्रूफ' बनाने के लिए मंडल मोबाइल एप से ऑनलाइन निगरानी होगी। मंडल सुरक्षा के काफी एहतियात बरत रहा है। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी को भी मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। इसमें केंद्रों के अंदर केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ के पास मोबाइल नहीं रहेगा।

226 केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे

साथ ही नेटवर्क जाम करने के लिए प्रदेश के 700 संवेदनशील और अति संवेदनशील केंद्रों पर जैमर और 226 केंद्रों पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। मंडल पूरी निगरानी कंट्रोल रूम से ऑनलाइन करेगा। परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल तैयार किया गया है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। बता दें, कि प्रदेश के करीब 16 लाख विद्यार्थी शामिल हैं।

प्रश्नपत्र बंडलों को निकालने कलेक्टर प्रतिनिधि होंगे रहेंगे तैनात

इस बार प्रश्नपत्र बंडलों को थाना से निकालने में कलेक्टर प्रतिनिधि को तैनात किया जाएगा। सुबह 6.30 बजे कलेक्टर प्रतिनिधि पुलिस थाना पहुंचकर सेल्फी भेजेंगे। इनकी मॉनीटरिंग भी एप के माध्यम से होगी। पुलिस थाने से लेकर केंद्र तक प्रश्नपत्र पहुंचाने और वितरण तक इनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस बार मोबाइल एप के माध्यम ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल पूरी तरह प्रतिबंधित होगा।

इस तरह से होगी निगरानी

परीक्षा में तैनात सभी अधिकारी मोबाइल पर मंडल का एप डाउनलोड करेंगे। एप से पुलिस थाने से प्रश्न-पत्र के निकलने की एंट्री, केंद्रों पर प्रश्न-पत्र खोलने से लेकर वितरण की एंट्री, परीक्षा खत्म होने के बाद बंडल बनने और मूल्यांकन केंद्र पर जमा करने तक की एंट्री की जाएगी। यहां तक कि हर प्रश्नपत्र के बंडल लोकेशन भी ट्रेस होगी। इसके अलावा कलेक्टर प्रतिनिधि और उड़नदस्तों की मॉनीटरिंग भी एप के माध्यम से की जाएगी। वहीं परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल प्रतिबंध रहेगा। केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित कोई स्टाफ भी केंद्र में मोबाइल नहीं ले जा सकेगा। प्रदेश के 700 संवेदनशील और अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्र हैं।

सूचना के आदान-प्रदान के लिए वैकल्पिक व्यवस्था

परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल भी तैयार किया गया है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। परीक्षा में तैनात सभी अधिकारी मोबाइल पर मंडल का एप डाउनलोड करेंगे। एप पर पुलिस थाने से प्रश्न-पत्र निकलने, केंद्रों पर बंडल खोलने से लेकर वितरण करने, परीक्षा खत्म होने के बाद बंडल बनने और मूल्यांकन केंद्र पर जमा करने तक की एंट्री की जाएगी।

भोपाल पासपोर्ट ऑफिस की जांच में खुलासा

विदेश जाने पासपोर्ट में छिपाई उम्र नाबालिग ने किया था आवेदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विदेश जाने के लिए एक नाबालिग ने खुद को वयस्क दिखाने के लिए पासपोर्ट आवेदन में ही जन्मतिथि गलत दर्ज कर दी। जब दस्तावेज सत्यापन हुआ तो मामला पकड़ में आ गया। जांच में वास्तविक उम्र 16 वर्ष सामने आने के बाद पासपोर्ट कार्यालय ने आवेदन खारिज करते हुए आवेदक को सख्त चेतावनी दी और फाइल बंद कर दी।

जानकारी के अनुसार, पासपोर्ट आवेदन की प्रारंभिक जांच के दौरान अधिकारियों को उम्र को लेकर संदेह हुआ। इसके बाद स्कूल से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। रिकॉर्ड मिलान में साफ हुआ कि आवेदन में दर्ज जन्म वर्ष बदला गया था। ताकि, आवेदक वयस्क प्रतीत हो। नाबालिग होने की पुष्टि होते ही पासपोर्ट अदालत ने तत्काल आवेदन निरस्त कर दिया। पासपोर्ट ऑफिस के अनुसार, किशोरी ने मामले में पुलिस को सूचना न देने का आग्रह किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे भविष्य के लिए सचेत किया गया। साथ ही निर्देश दिए गए कि स्कूल मार्कशीट के अनुसार आधार कार्ड में जन्म तिथि का सुधार कराया जाए। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि नाबालिग आवेदकों के मामले में माता-पिता की उपस्थिति और आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य होते हैं। चेतावनी के बाद किशोरी ने गलती स्वीकार की, जिसके बाद फाइल क्लोज कर दी गई।

कोर्ट केस छिपाया, फिर लानी पड़ी एनओसी

इसी सुनवाई के दौरान एक अन्य आवेदक का मामला भी सामने आया। जिसने पासपोर्ट आवेदन में अपने खिलाफ अदालत में लंबित प्रकरण की जानकारी नहीं दी थी। पुलिस वेरिफिकेशन में तथ्य उजागर होने पर आवेदन पर एडवर्स रिपोर्ट लगी और नोटिस जारी किया गया। नोटिस के जवाब में आवेदक ने कोर्ट से एनओसी प्राप्त कर पेश की, जिसके बाद आवेदन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय भोपाल के अधिकारियों का कहना है कि आवेदन में गलत तथ्य, अधूरे दस्तावेज या जानकारी छिपाने पर पासपोर्ट आवेदन सीधे खारिज किया जा सकता है। ऐसे मामलों का असर भविष्य में पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है।

एमपीपीएससी की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 मार्च को

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा तिथि को लेकर अभ्यर्थियों में तैयारी तेज हो गई है। आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा 2025 की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके माध्यम से प्रदेश सरकार के ग्रुप ए और ग्रुप बी के विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। पात्रता के अनुसार अभ्यर्थी का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना अनिवार्य है। कुछ पदों के लिए अतिरिक्त योग्यता भी आवश्यक हो सकती है। आयोग ने अभ्यर्थियों से समय रहते तैयारी और आवेदन पूरा करने का आग्रह किया है। आयोग के अनुसार ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जनवरी से शुरू होगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 19 फरवरी दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है। वहीं

आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 20 फरवरी से 27 फरवरी तक का समय दिया जाएगा। जिसके बाद प्रवेश पत्र 12 मार्च को जारी होने की संभावना बताई जा रही है। अभ्यर्थियों को आवेदन केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन करना होगा। आवेदन करते समय व्यक्तिगत जानकारी शैक्षणिक योग्यता और श्रेणी से जुड़ी जानकारी सावधानीपूर्वक भरने की सलाह दी गई है। आवेदन शुल्क सामान्य और अन्य राज्य के अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये निर्धारित किया गया है। मध्यप्रदेश के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए शुल्क 250 रुपये रखा गया है।

69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा राइफल शूटिंग स्पर्धा शुरू

खिलाड़ी ही खेल का महत्व समझते हैं: महापौर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा राइफल शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया जा रहा है. इसकी शुरुआत हो चुकी है जो 9 जनवरी तक चलेगी। सोमवार को महापौर मालती राय ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर महापौर मालती राय ने कहा कि खेल कोई भी हो, उसे खेलने वाला ही उसके महत्व को सही मायने में समझता है। उन्होंने भोपाल आए विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे प्रतियोगिता के साथ-साथ भोपाल शहर का भ्रमण भी करें। महापौर ने कहा कि भोपाल की पहचान झीलों की नगरी के रूप में है। खिलाड़ी बोट क्लब में जाकर शिकारा भ्रमण का आनंद लें। साथ ही राष्ट्रीय स्तर के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करें। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में अंडर-14 एवं 19 वर्ग के स्कूली बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। स्पर्धा में उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, दिल्ली, केरल, झारखंड, असम, बिहार, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, गोवा, पश्चिम बंगाल,

आंध्रप्रदेश सहित देश के 32 राज्यों के 880 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें 433 बालक एवं 447 बालिका खिलाड़ी शामिल हैं। साथ ही 171 कोच भी शामिल हैं। इस प्रकार कुल 1051 प्रतिभागी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। 69वीं राष्ट्रीय स्तरीय शालेय क्रीड़ा राइफल शूटिंग स्पर्धा का आयोजन 3 जगहों पर किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी, बिसनखेड़ी में पीप एवं पिस्टल साइड, बाल भवन श्यामला हिल्स में ओपन साइड एवं सरस्वती शिशु मंदिर शारदा विहार में केरवा डेम रोड में ओपन साइड स्पर्धा शामिल है।

16 से होगा भारत भवन में देश का पहला महाभारत समागम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन के मंच पर द्रौपदी के प्रश्नों से लेकर कर्ण के अंतर्द्वंद्व तक, शिखंडी के शौर्य से लेकर अभिमन्यु के चक्रव्यूह तक महाभारत की कथाओं की प्रस्तुति 16 से 24 जनवरी तक की प्रस्तुति होगी। यह देश का पहला और अब तक का सबसे बड़ा महाभारत समागम होगा। रवीन्द्र भवन में वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृति विभाग के अंतर्गत यह नौ दिवसीय आयोजन महाभारत को केवल युद्ध कथा नहीं, बल्कि शांति, संवाद, करुणा और सभ्यतागत विवेक के महाकाव्य के रूप में प्रस्तुत करेगा। जिसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे। उन्होंने बताया कि आज रूस, यूक्रेन सहित कई देश युद्ध से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में महाभारत का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। कृष्ण ने युद्ध से पहले संवाद और शांति का मार्ग चुना और यही भाव इस समागम का मूल उद्देश्य है। उन्होंने बताया इस आयोजन में भारत के साथ इंडोनेशिया, श्रीलंका और जापान के प्रतिष्ठित रंग समूह अपनी प्रस्तुतियां देंगे। जापान के हिरोशी कोइके ब्रिज कंपनी महाभारत नाटक योद्धा का मंचन करेगी। जबकि श्रीलंका। इंडोनेशिया और भारत के विभिन्न राज्यों के कलाकार अलग-अलग शैलियों में महाभारत प्रसंग प्रस्तुत करेंगे। समागम में नाटक नृत्य, नाट्य कथकली, छाऊ, ओडिसी, कुचिपुड़ी, यक्षगान, पंडवानी जैसी लोक और शास्त्रीय प्रस्तुतियां होंगी। इसके साथ ही कठपुतली समारोह अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और इमर्सिव डोम थियेटर के माध्यम से महाभारत आधारित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

राजधानी के जूनियर डॉक्टरों की अनोखी पहल

अब थानों में ही हो सकेगा पुलिसकर्मियों का इलाज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

काम के भारी दबाव और अनियमित दिनचर्या के चलते बीमारियों का शिकार हो रहे पुलिसकर्मियों के उपचार के लिए गांधी मेडिकल कालेज (जीएमसी) के जूनियर डाक्टरों ने नई पहल की है। अब खाकी वर्दी वालों को उपचार के लिए अस्पताल की लंबी कतारों में नहीं लगना होगा, बल्कि डॉक्टर खुद थाने पहुंचकर उनके स्वास्थ्य का परीक्षण करने के साथ ही उन्हें चिकित्सा उपलब्ध कराएंगे। इसके लिए प्रत्येक पुलिस थाने में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल में तेजी से बढ़ रही लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की समय रहते पहचान करना और उनका उपचार शुरू करना है। मालूम हो कि पुलिस की नौकरी में ड्यूटी के घंटे तय नहीं होते। त्योहार हो या वीआइपी मूवमेंट, पुलिसकर्मी घंटों खड़े रहकर ड्यूटी करते हैं। इस भागदौड़ और मानसिक दबाव

के कारण उनमें हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियां घर कर रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान अक्सर देखा गया है कि जवान थकान और मानसिक अवसाद को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में घातक साबित होता है। इन शिविरों के माध्यम से जूनियर डाक्टर न केवल शारीरिक बीमारियों की जांच करेंगे, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का भी आकलन करेंगे, ताकि डिप्रेशन और तनाव के स्तर को कम किया जा सके। थानों में लगने वाले इन विशेष शिविरों में पुलिसकर्मियों का पूरा हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया जाएगा।

मौके पर जांच और गंभीर मामलों में रेफरल की सुविधा

इसमें शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन और सामान्य शारीरिक जांच शामिल होगी। यदि किसी पुलिसकर्मी में गंभीर लक्षण पाए जाते हैं, तो उन्हें तत्काल गांधी मेडिकल कालेज या हमीदिया अस्पताल रेफर किया जाएगा, जहां उन्हें प्राथमिकता के आधार पर इलाज मिल सकेगा। डाक्टरों की टीम उन्हें खान-पान और जीवनशैली में सुधार के लिए परामर्श भी देगी। पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए दिन-रात एक कर देते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में वे अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर बैठते हैं। हमने देखा है कि कई जवान कम उम्र में ही बीपी और तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसको देखते हुए यह निर्णय लिया है कि हम थानों में जाकर उनकी स्क्रीनिंग करेंगे। इसमें शारीरिक जांच के साथ-साथ मेंटल हेल्थ काउंसलिंग पर भी हमारा विशेष जोर रहेगा।

जितेंद्र बने अहीर समाज अध्यक्ष

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के बरखेड़ी क्षेत्र में अहीर यादव समाज के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई, जिसमें समाज के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जितेंद्र यादव ने जीत दर्ज की। जीत के बाद समर्थकों में उत्साह का माहौल रहा और दोनों प्रत्याशियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जितेंद्र यादव ने समाज के सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे यादव समाज के हित, एकता और विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। वहीं समाज के विशाल यादव, एडवोकेट विनोद यादव, गेंदा पहलवान, श्याम यादव सहित सभी समाजनों ने बधाई दी। चुनाव अधिकारी बीडी यादव यादव ने बताया कि 359 में से 340 लोगों ने मतदान किया। जिसमें 5 मत निरस्त किए। जिसमें 224 मत विजयी प्रत्याशी और 111 प्रतिद्वंद्वी को मिले।

चंबल सेंचुरी में रेडियो ट्रांसमीटर से खुलासा, सबसे सुरक्षित गढ़ में ही शिकार

मगरमच्छों के पेट में मिले घड़ियाल, अफसर तलाश रहे उपाय

मुरैना, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में घड़ियालों पर सीधा हमला हो रहा है। जिस नदी को देश में घड़ियालों का सबसे सुरक्षित गढ़ माना जाता रहा है, वहीं अब उनके बच्चों की जान खतरे में है। 435 किलोमीटर तक फैले चंबल घड़ियाल सेंचुरी की हालिया निगरानी में खुलासा हुआ है कि तीन साल तक के करीब 120 सेंटीमीटर लंबे घड़ियाल, लगातार मगरमच्छों के हमले का शिकार हो रहे हैं।

वन विभाग की 'गो एंड रिलीज' योजना के तहत घड़ियालों पर लगाए गए रेडियो ट्रांसमीटर से इसकी पुष्टि हुई है। ट्रांसमीटर सही सलामत मिले, लेकिन उनकी लोकेशन नदी में नहीं, बल्कि मगरमच्छों के पेट से ट्रेस हुई। जांच आगे बढ़ी तो मगरमच्छ के मल में घड़ियाल के अवशेष मिलने से इस पर मुहर लग गई।

चंबल घड़ियाल सेंचुरी में पहली बार इसे आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया है। मुरैना से भोपाल तक अफसरों की टीमें अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर घड़ियालों का सबसे सुरक्षित गढ़ कैसे उनकी शिकारगाह बनता जा रहा है। देश में घड़ियालों के सुरक्षित संरक्षण के लिए जब नदियों का अध्ययन किया गया, तो चंबल नदी को सबसे स्वच्छ और अनुकूल पाया गया। साफ पानी और उपयुक्त प्राकृतिक वातावरण में ही घड़ियाल बेहतर तरीके से जीवित रह पाते हैं। इसी आधार पर 1978-

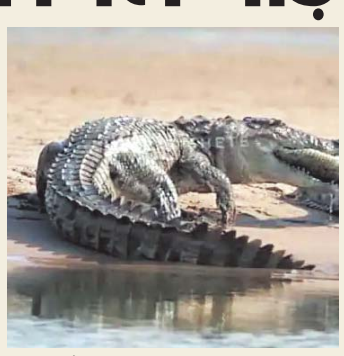

79 में मुरैना जिले के देवरी गांव के पास देवरी घड़ियाल सेंचुरी की स्थापना की गई। शुरुआत में चंबल नदी की बीच धारा से पांच किलोमीटर क्षेत्र को सेंचुरी घोषित करने का प्रस्ताव था, लेकिन इससे कई गांव प्रभावित हो रहे थे। इसके आधार पर नदी की मध्य धारा से एक किलोमीटर क्षेत्र को चंबल घड़ियाल सेंचुरी के रूप में चिह्नित किया गया। यह घड़ियाल सेंचुरी कुल 435 किलोमीटर तक फैली है। यहां घड़ियालों के संरक्षण के लिए वन विभाग लंबे समय से लगातार काम कर रहा है। 2025 की गणना के अनुसार, सेंचुरी में घड़ियालों की संख्या बढ़कर 2462 तक पहुंच गई है।जबकि सेंचुरी की स्थापना के बाद 1978-79 में चंबल नदी में 75 घड़ियाल छोड़े गए थे। तुलना करें तो बिहार की गंडक नदी में लगभग 400 और नेपाल के कोसी (कटनकिया घाट) क्षेत्र में भी करीब 400 घड़ियाल ही हैं।

रिपोर्ट में खुलासा- मगरमच्छों के पेट में मिले ट्रांसमीटर

जलीय जीव विशेषज्ञ ज्योति प्रसाद दंडोतिया के अनुसार, चंबल सेंचुरी में घड़ियालों की संख्या जिस अनुपात में बढ़नी चाहिए थी, वह नहीं बढ़ सकी। इसकी बड़ी वजह यह है कि चंबल में आने वाली बाढ़ के दौरान घड़ियालों के सिर्फ 3 प्रतिशत बच्चे ही जीवित रह पाते हैं। इसके अलावा, वयस्क मगरमच्छ तीन साल तक के घड़ियालों को अपना शिकार बना रहे हैं। इस बात का खुलासा एमसीबीटी (मद्रास क्रोकोडायल बैंक ट्रस्ट) की रिपोर्ट में भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, संस्थान द्वारा चंबल नदी में छोड़े गए घड़ियालों पर रेडियो टेलीमेट्री ट्रांसमीटर लगाए गए थे। जब इनकी लोकेशन ट्रेस की गई, तो कई ट्रांसमीटर एडल्ट मगरमच्छों के पेट के भीतर पाए गए। इससे यह स्पष्ट हुआ कि मगरमच्छ लगातार छोटे घड़ियालों पर हमला कर रहे हैं। चंबल नदी में घड़ियालों पर मगरमच्छों के हमले और शिकार की जानकारी वन विभाग को करीब 8 साल पहले वर्ष 2017-18 में ही मिल चुकी थी। इसे लंबे समय तक दबाए रखा गया। अब जब घड़ियालों के शिकार की घटनाएं लगातार सामने आने लगीं, तो हाल ही में देवरी घड़ियाल सेंचुरी में पहला मामला दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सीएम मोहन के साथ बैठक में कहा-

सड़क निर्माण में कम पेड़ काटें, सिंहस्थ की सड़कों का काम तय समय पर पूरा कराएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि एमपी में बनने वाली सड़कों के निर्माण में कम से कम पेड़ काटे जाएं। अगर बहुत जरूरी हो तो ट्री ट्रांसप्लांट सिस्टम को लागू कर काम किया जाए। गडकरी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ मध्य प्रदेश की सड़कों को लेकर हुई बैठक में कहा है कि सिंहस्थ-2028 के लिए प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए। सिंहस्थ जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन के लिए सुरक्षित और सुगम सड़क कनेक्टिविटी आवश्यक है। जिन सड़कों का निर्माण भू अधिग्रहण और वन विभाग से क्लियरेंस के चलते अटका है, उसे जल्दी से जल्दी क्लियर कराने के लिए कहा गया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार, मजबूतीकरण एवं क्वालिटी पूर्ण काम को नई गति देने के लिए दिल्ली में हुई समीक्षा बैठक में कहा कि सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास और जनसुविधा का आधार होती हैं, इसलिए इनके सौंदर्यीकरण और सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर सुधारात्मक कार्य किए जाएं। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की मौजूदगी में हुई बैठक में केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत ब्यूटीफिकेशन, ब्रिज निर्माण, पुलिया निर्माण तथा ब्लैक स्पॉट रेक्टिफिकेशन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की।

सीएम बोले- दिल्ली में हुए मंथन से राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ेगी

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मंथन बैठक केंद्र एवं राय सरकार के बीच संस्थागत समन्वय को और अधिक मजबूत करेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन में गति और गुणवत्ता दोनों तय करेगी। उन्होंने कहा कि इस समीक्षा के माध्यम से लंबित एवं प्रगतिरत परियोजनाओं से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों-जैसे भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय स्वीकृतियां, निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता-पर समन्वित निर्णय लिए गए हैं, जिससे कार्यों को शीघ्रता से धरातल पर उतारा जा सकेगा। राष्ट्रीय राजमार्गों के मजबूतीकरण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापार, लॉजिस्टिक्स, कृषि विपणन और रोजगार सृजन को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि राय में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का निर्माण कार्य तेज गति से प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से आवागमन सुगम होगा, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने राय में राष्ट्रीय रायमार्ग परियोजनाएं तेज गति से प्रस्तावित करने के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राय सरकार की परियोजनाओं में विकासात्मक उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की।

सीएस बोले- भूमि अधिग्रहण, फॉरेस्ट क्लियरेंस का काम तेज हो रहा- मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने लिए हर माह परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की जा रही है। राय सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए हरसंभव सहयोग दिया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के लिए भूमि अर्जन, फॉरेस्ट क्लियरेंस आदि कार्यों में गति लाई जा रही है।

ऊर्जा मंत्री बोले-बड़े बकायादारों कटेगा कनेक्शन

समाधान योजना में लापरवाही पर अब ट्रांसफर नहीं, डिमोशन होगा, अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने समाधान योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है। मंत्री ने कहा कि अब योजना में लापरवाही करने वाले अधिकारियों का केवल ट्रांसफर नहीं, बल्कि डिमोशन किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि रबी सीजन में किसानों को हर हाल में 10 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी।

बैठक में मंत्री ने सर्किलवार योजना की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में सक्रिय रहें और नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने बताया कि योजना में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहन भी मिलेगा। सर्वश्रेष्ठ सर्किल के अधीक्षण यंत्री को 50 हजार रुपये, प्रथम सर्किल को 25 हजार रुपये और सर्वश्रेष्ठ सहायक यंत्री को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा, इन अधिकारियों की गोपनीय चरित्रावली में इस उपलब्धि का उल्लेख भी होगा। मंत्री ने यह भी कहा कि जिन उपभोक्ताओं पर 2 लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया है, उनसे मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता स्वयं संपर्क करेंगे। इन मामलों का पूरा विवरण मंत्री कार्यालय को भेजा जाएगा। बड़े बकायादारों से सख्ती से वसूली करना और लंबित बिलों के लिए कनेक्शन काटना भी जरूरी है। मंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था बिजली कंपनियों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और किसानों को बेहतर सेवा देने में मदद करेगी।

समाधान योजना में अब तक जमा हो चुके है 578 करोड़

बैठक में बताया गया कि अब तक समाधान योजना के तहत 578 करोड़ 22 लाख रुपये जमा हो चुके हैं। साथ ही उपभोक्ताओं को 264 करोड़ 17 लाख रुपये के सरचार्ज की राहत दी गई है। सबसे अधिक वसूली 382 करोड़ 72 लाख रुपये मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के क्षेत्र में हुई है। योजना का पहला चरण 31 जनवरी तक जारी रहेगा। बैठक में सचिव ऊर्जा विशेष गढ़पाले ने कहा कि लंबे समय से बिल ना जमा करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जाएं।

प्रदर्शनी के लिये ऑनलाइन और ऑफलाइन 6 जनवरी 2026 तक आवेदन आमंत्रित

फूलों के राजा गुलाब की महक से 9 से 11 जनवरी तक महकेगी राजधानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फूलों के राजा गुलाब की महक 9 से 11 जनवरी तक राजधानी के गुलाब उद्यान में महकेगी। उद्यानिकी विभाग और मध्यप्रदेश रोज सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। प्रदर्शनी में भाग लेने के लिये आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन 6 जनवरी 2026 तक आमंत्रित किये गये हैं।

आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री अरविन्द दुबे ने बताया कि मध्यप्रदेश फूलों के उत्पादन में देश में द्वितीय स्थान पर है। राज्य सरकार द्वारा फूलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रतिवर्ष भोपाल स्थित गुलाब उद्यान परिसर में गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। गुलाब के प्रति आम लोगों के रूझान को देखते हुए गुलाब उत्पादकों के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसमें गमले से लेकर बगिया तक और टैरेस पर तैयार किये गये गुलाब के फूलों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाता है।

तीन श्रेणियों में होगी प्रतियोगिता

आयुक्त दुबे ने बताया कि भोपाल शहर और उसके आसपास लगभग 40 किलोमीटर क्षेत्र में विकसित किये गये गुलाब उद्यानों की इंट्री इस प्रतियोगिता में शामिल की जाती हैं। जो गुलाब उत्पादक बड़ी संख्या में गुलाब का उत्पादन करते हैं, वह प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये 6 जनवरी तक ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके उपरान्त 7 और 8 जनवरी को रोज सोसायटी और उद्यानिकी विभाग के प्रतिनिधि उन गुलाब उद्यानों का निरीक्षण करेंगे, 9 जनवरी को घरों में गमलों में लगाये गये गुलाबों का प्रदर्शन गुलाब उद्यान में किया जायेगा। इसके लिये गुलाब उत्पादक सुबह 8 से 12 बजे तक गुलाब उद्यान में प्रविष्ठि कर सकते हैं। 10 जनवरी को कट-फ्लावरों का प्रदर्शन गुलाब उद्यान परिसर में किया जायेगा। गुलाब प्रदर्शनी का 10 जनवरी को समारोहपूर्वक शुभारंभ किया जायेगा तथा 11 जनवरी को विजेताओं को पुरस्कार वितरित होंगे।

मंडला में 3 परिवारों के 15 सदस्यों की घर वापसी, ईसाई धर्म त्याग कर अपनाया अपना मूल धर्म

मंडला। श्री सिद्धेश्वर धाम सुरंगदेवरी में श्री गणेश पुराण का संगीतमय कथा का आयोजन सांई भक्त पंडित ललित नारायण मिश्रा द्वारा किया गया। पुराण के अंतिम दिवस हवन, पूजन के साथ समापन हुआ। तीन परिवार जो ईसाई धर्म को अपना चुके थे, वापस सनातन धर्म में आ गए। जहां उनका सनातनियों के द्वारा स्वागत किया गया। श्री सिद्धेश्वर धाम में पुराण के अंतिम दिन यहां पर ईसाई धर्म स्वीकार कर चुके तीन परिवार भी पहुंचे थे। जिन्होंने हवन, पूजन आरती में शामिल होकर अपने धर्म में वापसी की। तीन परिवारों में बच्चों, महिलाओं सहित कुल 15 सदस्यों ने वापस सनातन धर्म में लौटे हैं। जिनका पंडित ललित नारायण मिश्रा ने इनको फूल माला पहनाकर इनका स्वागत किया। सभी ने कहा कि भूलवश वे दूसरे धर्म में चले गए थे, अब वापस आ गए हैं।

सीएम का काफिला रोकने वाली महिला का दावा

मैं भाजपा की कार्यकर्ता, मैंने तीन मर्डर किए, अफसर सब जानते हैं

जबलपुर। जबलपुर में इन दिनों सोशल मीडिया में इन दिनों एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है। यह महिला खुद को भाजपा की नेत्री बता रही है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर प्रवास के दौरान महिला ने मानस भवन के पास मुख्यमंत्री को रोककर शिकायत दी थी। उस वक्त मीडिया से बात करते हुए भाजपा महिला नेत्री शिखा शर्मा ने आरोप लगाया कि मदन महल पुलिस ने एक दुकान मालिक से साठगांठ कर जबरन दुकान खाली करवाई।

दूसरी ओर, दुकान मालिक रवि पटेल का कहना है कि संबंधित दुकान एग्रीमेंट के आधार पर किराए पर दी गई थी, लेकिन शिखा शर्मा न तो नियमित किराया दे रही थीं और न ही दुकान खाली कर रही थीं। रवि पटेल ने मदन महल थाना और तहसीलदार कार्यालय में लिखित शिकायतें भी दी थीं, लेकिन प्रभावशाली राजनीतिक रसूख के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। इस बिंदु पर प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है।

3 मर्डर का दावा

मामले में नया और सबसे सनसनीखेज मोड़ उस समय आया, जब शिखा शर्मा का एक कथित वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हुआ। इसमें वह स्वयं तीन-तीन हत्या करने का दावा करती नजर आ रही हैं। यही नहीं महिला वीडियो में कह रही है कि उस वक्त जबलपुर जिले में पदस्थ रहे पुलिस अधिकारी दीपक मिश्रा और राजेश तिवारी से पूछ सकते हैं कि उसने किस प्रकार से मर्डर किए हैं। बड़ी बड़ी डींगे हांक रही महिला यह भी कह रही है कि वो चाहे जिसकी हत्या कर सकती है और आराम से घूमती है। दो पुलिस अधिकारियों के नाम लिए जाने की भी चर्चाएं हैं।

दोपहर मेट्रो

भोपाल में दो दिवसीय बौद्धिक सम्पदा यात्रा प्रारंभ

ट्रेडमार्क और पेटेंट के रजिस्ट्रेशन बढ़ाने पर सहमति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमएसएमई की प्रारंभ हुई आई.पी. यात्रा में अधिकारियों और उद्योग परिसंघ के पदाधिकारियों ने ट्रेडमार्क और पेटेंट के रजिस्ट्रेशन बढ़ाने पर मिलकर काम करने की जरूरत बताई है। वक्ताओं की राय थी कि देश में 7 करोड़ एमएसएमई रजिस्टर्ड है किन्तु पटेंट और ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन काफी कम है।

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अंतर्गत एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर द्वारा सीएसआई भोपाल के सहयोग से दो दिवसीय %आईपी यात्रा ÷ कार्यक्रम सोमवार से एम्प्री भोपाल में प्रारंभ हुआ। एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर के संयुक्त निदेशक श्री नीरज अरोड़ा ने आईपी यात्रा कार्यक्रम के

उद्देश्य एवं उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों से यात्रा में आने वाली महत्वपूर्ण जानकारियों का लाभ उठाने का अनुरोध किया एवं एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। सहायक निदेशक श्री राजकुमार मोहनानी ने बताया कि देश में 7 करोड़ से अधिक एमएसएमई इकाईयाँ रजिस्टर्ड हैं किन्तु इसके अनुपात में ट्रेडमार्क और पेटेंट के रजिस्ट्रेशन बहुत कम प्रतिशत में हैं। आईपी यात्रा का उद्देश्य यही है कि रजिस्ट्रेशन बढ़ाने में एमएसएमई, रिसर्चरस, स्टार्टअप्स की जागरूकता में वृद्धि हो।

एमएसएमई विकास कार्यालय के सहायक निदेशक एवं आईपी यात्रा कार्यक्रम के समन्वयक श्री निलेश त्रिवेदी ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय के द्वारा आईपी अधिकारों की सुरक्षा के लिए फॉरेन पेटेंट लेने पर 05 लाख, डोमेस्टिक पेटेंट पर 01 लाख, जीआई पर 02 लाख, डिजाइन पर 15 हजार एवं ट्रेडमार्क प्राप्त करने पर 10 हजार रूपये की सब्सिडी प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय की सिप योजना के अंतर्गत टेक्नोलॉजी ट्रांसफर एवं फेसिलिटेशन सेंटर के एनपेनलमेंट सहयोग प्रदान किया जाता है। श्री त्रिवेदी ने पेटेंट, ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया एवं विभिन्न केस स्टडी की भी जानकारी प्रदान की। आईपी यात्रा कार्यक्रम को सीआईआई, भोपाल के प्रेसिडेंट श्री मनोज मोदी, आईआईटी इंदौर के श्री आदित्य व्यास ने भी संबोधित किया।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की नई चाल

दुनियाभर में दर्जनों संघर्ष रुकवाने के सैकड़ों दावे कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद ही वैश्विक तनाव को भड़का रहे हैं। वेनेजुएला के बाद अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड को लेकर जो मेसेज आया है, वह दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। इससे तो अंतरराष्ट्रीय कानून, यूएन चार्टर और देशों की संप्रभुता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

कड़ी प्रतिक्रिया : ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर की पत्नी केटी मिलर ने एक तस्वीर पोस्ट की। जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में दिखाया गया है। इसके साथ लिखा था जल्द। स्टीफन को ट्रंप के चहेते लोगों में गिना जाता है, जबकि केटी खुद भी ट्रंप के पहले कार्यकाल में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुकी हैं। ऐसे में उनके ट्वीट पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड की तरफ से स्वाभाविक ही कड़ी प्रतिक्रिया आई।

कानूनों का उल्लंघन । किंगडम ऑफ डेनमार्क के तहत आने वाले ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की महत्वकांक्षा पुरानी है। वह कई मौकों पर खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड चाहिए। ऐसे में केटी मिलर की तरफ से आ रहे ऐसे आपत्तिजनक मेसेज उसी का नतीजा है।

रेयर अर्थ पर नजर: ट्रंप पूरी दुनिया को एक कारोबारी की नजर से देख रहे हैं। उन्हें वेनेजुएला चाहिए, क्योंकि वहां तेल के भंडार है और ग्रीनलैंड चाहिए, क्योंकि वहां रेयर अर्थ का खजाना है। यही एक चीज है, जिसने अमेरिका को चीन के साथ ट्रेड वॉर में टिकने नहीं दिया। पिछले साल जब ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया, तो चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी थी। थक हारकर अमेरिका को वार्ता की मेज पर आना पड़ा। आज दुनिया की जरूरत का 90% रेयर अर्थ चीन से आता है और अमेरिका की टेक-ऑटो-डिफेंस इंडस्ट्री इसकी मोहताज है।

दोस्तों को नुकसान : ट्रंप इसे लेकर चीन का दबदबा कम करना चाहते हैं, लेकिन चोट अपने साथियों को पहुंचा रहे हैं। दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने पड़ोसी कनाडा को अमेरिका का एक राज्य बनाने की इच्छा जाहिर की थी। फिर यूरोप को लेकर नीतियां बदली। जिस डेनमार्क को लेकर उनका स्टाफ आक्रामकता दिखा रहा है, वह खुद नैटो का सदस्य है और अमेरिका की जिम्मेदारी है उसकी सुरक्षा करना।

दांव पर साख: इस तरह के मेसेज केवल बातों तक सीमित नहीं रहते, उनका गहरा कूटनीतिक असर पड़ता है। अमेरिका वह नैतिकता खोता जा रहा है, जिससे रूस को यूक्रेन में और चीन को ताइवान के विलय से रोके।

पेट्रो डॉलर के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की एक और सनकभरी कार्रवाई

डॉ. प्रभात ओझा
स्तंभकार

वेनेजुएला पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' नाम दिया गया। हिन्दी में जो अर्थ निकलते हैं, उनमें किसी समस्या का पूर्ण रूप से समाधान निकलना अथवा 'पूर्ण संकल्प' भी शामिल हैं। यहां आमतौर पर दूसरा अर्थ लिया गया है। कहा जा रहा है कि अमेरिका ने जो तय किया था, उसने कर दिखाया। वैसे पहले अर्थ की व्याप्ति और अधिक है। यह किसी समस्या का समाधान कर लेने में व्यक्त किया जाता है। बहरहाल, दोनों ही अर्थ एक ही तरह के संकेत करते हैं। वैसे, प्रारम्भिक तौर पर तो यही लगता है कि यह अभी शुरुआत है, समाधान नहीं।

अमेरिका का यह कदम न सिर्फ वेनेजुएला के लिए, बल्कि शांति और लोकतंत्र के समर्थक देशों के खिलाफ जाने वाला है। ऐसा मानने के आधार भी हैं। सिर्फ इसलिए नहीं कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसे किसी देश की संप्रभुता पर हमले की तरह देखा गया है, बल्कि इसलिए भी कि स्वयं अमेरिका के अंदर भी इस पर विरोध के स्वर उभरे हैं। रॉबर्ट प्रीवोस्ट पीटर के पूर्व नाम वाले पोप लियो 14वें इस आसन पर आने वाले पहले अमेरिकी मूल के संत हैं। उन्होंने भी वेनेजुएला की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए इस देश की संप्रभुता सुनिश्चित किए जाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि संविधान, कानून, मानव और नागरिक कानूनों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ा जाना चाहिए। इसी तरह की प्रतिक्रिया कई देशों ने भी दी है। हालांकि, भले यह सामान्य सा बयान लगता है, बहुत दूर तक जा सकता है। अमेरिका के अंदर ही न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान मामदानी की प्रतिक्रिया काबिल-ए-गौर है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क लाने की जानकारी देते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी 'किसी संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला' है। यह युद्ध का कृत्य है और संघीय तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है।

लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर देश-विदेश की किसी प्रतिक्रिया का असर नहीं हो रहा है। अमेरिकी संविधान और परंपरा से मिले असीमित अधिकारों के तहत उन्होंने यह कार्रवाई की है। भविष्य तय करेगा कि अमरीकी संसद इस पर मुहर लगाती है अथवा नहीं। अभी एक बात साफ है कि अमेरिका के इस एक्शन से क्षेत्रीय असंतुलन को न सिर्फ बढ़ावा मिलेगा, वरन प्रतिगामी शक्तियों को एक और केंद्र मिल जाएगा। अनुभव यही बताते हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि इसमें राष्ट्रपति ट्रंप के अपने व्यक्तिगत हित भी हैं। दुनिया जानती है कि वे राजनेता से पहले व्यवसायी भी हैं। ट्रंप के पीछे हथियार बनाने वाली कंपनियां मुस्तैदी के साथ खड़ी हैं। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने इन कंपनियों को दुनिया भर में व्यवसाय करने में मदद ही की है। अशांत वेनेजुएला भी इसमें शामिल हो जाएगा। व्यक्ति से अलग ट्रंप को राष्ट्रपति के तौर पर भी देखने से भी नहीं लगता कि अमेरिका को अथवा शेष विश्व को इस कार्रवाई से कोई फायदा मिलने वाला है। अनुभव यही हैं कि अफगानिस्तान से अमेरिका को वापस लौटना पड़ा। हजारों अमेरिका सैनिक मारे गये, करीब दो ट्रिलियन डॉलर स्वाह हो गये और परिणाम के तौर पर जिन तालीबानी को नष्ट करने के नाम पर अमेरिका घुसा था, वहां वे ही तालिबानी सत्ता में वापस आ गए। कथित रूप से अफगानिस्तान में लोकतंत्र मजबूत करने का दावा धूल-धूसरित हो गया। इराक में भी सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने और फांसी देने के बावजूद देश शांति के रास्ते पर नहीं आ सका। वहां से करीब 30 लाख लोग विस्थापित हुए और इराक पर आतंकवादी संगठनों का कब्जा हो गया। लीबिया में कर्नल गद्दाफी के साथ यही हुआ। उन्होंने अमेरिका अर्थव्यवस्था के साथ चलने से इनकार कर दिया था। उनकी हत्या कर दी गई। सीरिया में भी आतंकवादियों के सफाये के नाम पर अमेरिका की कार्रवाई की किरकिरी हुई। वहां जो अहमद अल शारा राष्ट्रपति बने, उन पर खुद अमेरिका ने इनाम घोषित किया था। अभी दो महीने पहले जब शारा अमेरिका यात्रा पर पहुंचे, उसके ठीक पहले अमेरिका प्रशासन ने उनका नाम आतंकवादियों की सूची से बाहर निकाला।

सच यह है कि वेनेजुएला भी इसी पेट्रो डॉलर आधारित व्यवसाय से अलग चलने लगा था। मादुरो के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति शावेज के समय पृष्ठभूमि तब बनी, जब उन्होंने अपने यहां तेल उत्पादक कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इससे अमेरिका हित प्रभावित होना शुरू हो गया। मादुरो ने अगले कदम भी उठाए। इस पर उन्हें ड्रग माफियाओं का लीडर बताकर घेरना शुरू हुआ। अमेरिका ड्रग खपत वाला बड़ा केंद्र है। वहां की कंपनियां बाहर से कच्चा माल लाती हैं। अमेरिका के लिए वेनेजुएला से तेल लेना सहज नहीं रहा। उधर अफीम, कोकीन और हेरोइन जैसे मादक पदार्थ अमेरिका लाने वाली कंपनियां भी बेहाल थीं। वैसे वेनेजुएला पर ड्रग माफिया होने के आरोप इस तरह भी कमतर से लगते हैं कि वहां से इन पदार्थों का अमेरिका को सप्लाई उसकी जरूरत का सिर्फ ए फीसद आंका गया है। प्रश्न बना रहेगा कि वेनेजुएला के खिलाफ नार्को टेररिज्म के प्रमाण थे तो अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में क्यों नहीं रखा। वह खुद ही जज क्यों बन जाता है। बहरहाल, अमेरिका पूरी तरह से वेनेजुएला का शासन अपने हाथों में लेने जा रहा है। सबसे पहले नजर तेल पर है। आगे की राह उसके पिछले अनुभवों जैसी ही हो, तो कुछ अलग नहीं होगा। तब तक एक और देश बहुत तबाह हो चुका होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

इंदौर जल त्रासदी एक चेतावनी - क्या पुरी और टोक्यो मॉडल से सीखेंगे हमारे शहर?

मनोज मीक
क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी और देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों ने पुरानी पड़ चुकी शहरी जल वितरण प्रणाली की कलई खोल दी है। भागीरथपुरा क्षेत्र में सीवेज और पेयजल लाइन के मिल जाने से जो स्वास्थ्य संकट खड़ा हुआ है, वह केवल इंदौर नहीं, बल्कि राजधानी भोपाल सहित राज्य के महानगरों और देश के हर उस शहर के लिए खतरे की घंटी है जो दशकों पुरानी पाइपलाइनों पर निर्भर हैं। 'स्वच्छता' में नंबर वन होने के साथ-साथ; अब 'जल सुरक्षा' में भी स्मार्ट बनने का समय आ गया है। आइए देखते हैं कि भारत और दुनिया के बेहतरीन शहरों ने इस समस्या का क्या तोड़ निकाला है और इंदौर-भोपाल को उनसे क्या सीखना चाहिए।

1. समस्या की जड़: पुरानी लाइनें और 'क्रॉस-कंटामिनेशन': इंदौर की घटना का मुख्य कारण पेयजल लाइन का सीवेज लाइन का बहुत पास-पास होना और संपर्क में आना है। भोपाल और इंदौर के पुराने बसाहटों में दशकों पुरानी पाइपलाइनें जर्जर हो चुकी हैं। जब पानी की सप्लाई बंद होती है, तो पाइप में वैक्यूम बन जाता है, जो पास की सीवेज लाइन से गंदे पानी को अंदर खींच लेता है। इसे 'बैक-साइजिंग' कहते हैं।

2. देश का बेस्ट मॉडल: ओडिशा के पुरी का 'ड्रिंक फ्रॉम टैप' मिशन: जहां इंदौर इस समस्या से जूझ रहा हैं, वहीं ओडिशा का पुरी शहर भारत का पहला शहर है जिसने '24×7 ड्रिंक फ्रॉम टैप' नल से सीधे पीने योग्य पानी के मिशन को 2021 में ही हासिल कर लिया था। * समाधान क्या है? पुरी में पानी की सप्लाई 24 घंटे चालू रहती है। इससे पाइपलाइन में हमेशा 'पॉजिटिव प्रेशर' बना रहता है। जब पाइप में दबाव होता है, तो बाहर का गंदा पानी या सीवेज लीकेज होने पर भी अंदर नहीं घुस सकता।

* सीखः मध्यप्रदेश के शहरों को 'रुक-रुक कर पानी' देने के बजाय 24×7 सप्लाई सिस्टम पर शिफ्ट होना होगा। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा का मामला है। **3. ग्लोबल बेंचमार्क:** टोक्यो जापान की 'लीकेज प्रिवेंशन' तकनीक जापान की राजधानी टोक्यो में लीकेज रेट दुनिया में सबसे कम मात्र 3% है, जबकि भारतीय शहरों में यह 40-50% तक है। * स्टेनलेस स्टील पाइपः टोक्यो ने अपनी पुरानी लोहे और सीसा की पाइपलाइनों को बदलकर 'कोरुगेटेड स्टेनलेस पाइप्स का उपयोग शुरू किया। ये पाइप भूकंप के झटकों को भी झेल सकते हैं और इनमें जंग नहीं लगता, जिससे लीकेज का खतरा खत्म हो जाता है। * सैम-डे रिपेयरः टोक्यो में एक विशेष टीम है जो लीकेज की सूचना मिलने के उसी दिन उसे ठीक करती है। इंदौर में लीकेज का पता चलने और उसे ठीक करने में कई दिन लग गए, जो घातक सिद्ध हुआ।

4. टेक्नोलॉजी का उपयोग: सिंगापुर का 'स्मार्ट वॉटर ग्रिड' सिंगापुर पानी की हर बूंद का हिसाब रखता है। वहां पूरे शहर में हजारों डिजिटल सेंसर लगे हैं जो पानी की गुणवत्ता पीएच लेवल, क्लोरीन और प्रेशर की रीयल-टाइम निगरानी करते हैं।

* तत्काल अलर्टः यदि किसी पाइप में सीवेज का पानी मिलता है, तो सेंसर तुरंत कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजते हैं और ऑटोमेटेड वाल्व उस हिस्से की सप्लाई बंद कर देते हैं।

* भोपाल-इंदौर के लिएः हमें मैनुअल टेस्टिंग के भरोसे रहना छोड़ना होगा और स्कॉडा यानी सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन सिस्टम को पूरी तरह लागू करना होगा।

क्या है सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन सिस्टम? : स्कॉडा एक कंप्यूटर-आधारित सिस्टम है जो इंडस्ट्रियल और इंफ्रास्ट्रक्चरल प्रक्रियाओं की निगरानी, नियंत्रण और डेटा एकत्र करने के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे ऑपरेटरों को रियल-टाइम डेटा के आधार पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने और दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है. यह सेंसर और प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोलर के माध्यम से मशीनों से जुड़ता है और केंद्रीकृत इंटरफ़ेस के माध्यम से पूरे ऑपरेशन को प्रबंधित करने की अनुमति देता है, जिसका उपयोग बिजली, पानी और विनिर्माण जैसे कई उद्योगों में होता है।

अब क्या कदम उठाने होंगे?: शहरी विकास के आधुनिक मानकों और क्रेडाई जैसे संगठनों का मानना है कि प्रशासन को तुरंत निम्नलिखित सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए:

1. पाइपलाइन ऑडिट: शहरों के उन सभी हिस्सों को चिन्हित किया जाए जहां सीवर और पानी की लाइनें 1 मीटर से कम दूरी पर हैं।

2. डेडिकेटेड यूटिलिटी डक्ट्स: भविष्य की खुदाई में पानी और सीवेज की लाइनों को अलग-अलग कंक्रीट डक्ट्स में डाला जाए।

3. सामुदायिक भागीदारी पुरी मॉडल: 'जल साथी' जैसे सामुदायिक समूहों को नियुक्त किया जाए जो अपने मोहल्ले में पानी की गुणवत्ता की जांच करें।

इंदौर की घटना एक दुखद सबक है। यदि अब भी हमने 'स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर' में निवेश नहीं किया, तो हम बीमारियों के इलाज में खर्च बढ़ने से रोक नहीं पाएंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

नॉर्मल ECG नहीं है हेल्दी हार्ट की गारंटी, आ भी सकता है अटैक

एक ताजा मामले ने सभी की चिंता बढ़ा दी है। नागपुर में मशहूर न्यूरोसर्जन डॉक्टर चंद्रशेखर को 53 साल की उम्र में हार्ट अटैकआया और उनकी जान चली गई। ये डॉक्टर पूरी तरह फिट थे और रिपोर्ट्स के मुताबिक 3 दिन पहले उनका ईसीजी टेस्ट भी नॉर्मल आया था। इस केस ने सभी को चौंकाकर रख दिया कि फिट दिखने वाला इंसान भी सुरक्षित नहीं है।

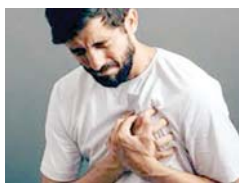

डॉक्टर जुबैर अहमद के मुताबिक ऐसे मामले रेयर नहीं हैं। वो कहते हैं कि मेडिकल साइंस बताता है कि कई सारे हार्ट अटैक उन लोगों को आते हैं, जो बाहर से पूरी तरह हेल्दी दिखते हैं और उनकी रुटीन रिपोर्ट्स भी नॉर्मल होती हैं। हार्ट अटैक एक साइलेंट किलर हो सकता है, जो अचानक आकर जानलेवा बन सकता है। डॉक्टर ने बताया कि ईसीजी नॉर्मल आने का मतलब हार्ट हेल्दी होने की गारंटी नहीं है। यह केवल उस पल के दौरान दिल की एक्टिविटी बताती है और छिपे हुए खतरों को नहीं पता कर सकती है। कई सारे खतरे चेतावनी के बिना चुपचाप हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाते रहते हैं।

आर्टरी डिजीज और फैमिली हिस्ट्री: डॉक्टर ने बताया कि साइलेंट कोरोनरी आर्टरी डिजीज सालों साल चुपचाप विकसित हो सकती हैं और फिर अचानक बाहर दिखती है। इसके अलावा अगर आपके परिवार में पहले से किसी को हार्ट डिजीज का खतरा रहा है तो फिट लोगों में भी यह खतरा आगे चलकर दिखाई दे सकता है। लगातार ज्यादा वक्त तक काम करना, मेंटल प्रेशर और खराब नींद से ब्लड प्रेशर और इंफ्लामेशन बढ़ सकती है। इसके साथ ही साइलेंट इंफ्लामेशन से रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं, जिससे प्लाक इंस्टेबल हो जाता है।

नींद की कमी: नींद शरीर के लिए बहुत जरूरी है और इसके साथ खिलवाड़ आपके दिल के लिए नुकसानदायक हो सकता है। जो लोग नियमित रूप से 6 से 7 घंटे से भी कम सोते हैं, उनका स्ट्रेस हॉर्मोन बढ़ सकता है और ब्लड क्लॉट का खतरा भी बढ़ता है। डॉक्टर ने बताया कि हार्ट अटैक केवल एक खराब मील की वजह से नहीं आता। बल्कि यह सालों तक मेटाबॉलिक स्ट्रेस पड़ने पर विकसित होता है। अगर आपकी डाइट इंसुलिन रेजिस्टेंस, क्रोनिक इंफ्लामेशन या अनहेल्दी कोलेस्ट्रॉल पार्टिकल को बढ़ाती है तो यह हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ा सकती है।

ये टेस्ट बताते हैं छिपे हुए खतरे: फिट दिखना या ईसीजी नॉर्मल आने का मतलब खतरे ना होना नहीं है। डॉक्टर की सलाह पर इन टेस्ट से छिपे हुए खतरे को पकड़ा जा सकता है। Lipoprotein(a), hs-CRP, ApoB, HbA1c,फास्टिंग इंसुलिन, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग और कोरोनरी कैल्शियम स्कोर।

सुविचार

'हर गिरावट एक नई शुरुआत की ओर इशारा करती है, बस हमें उठकर आगे बढ़ना सीखना होगा।'

-अज्ञात

AI अपडेट

देश का पहला AI आधारित क्लीनिक शुरू ट्यूमर-फेफड़ों में गांठ का पता लगाएगा

देश का पहला सरकारी AI क्लीनिक ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शुरू हो गया है। बीते रविवार को 2026 को इसकी शुरुआत हुई। क्लीनिक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जेनेटिक स्क्रीनिंग का इस्तेमाल करके शुरुआत में ही कैंसर, दिल, किडनी और लिवर जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाया जाएगा और उनका इलाज किया जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं में AI को शामिल करने की दिशा में ये एक बड़ा कदम है। इसमें AI के जरिए ब्लड टेस्ट, स्कैन और जेनेटिक डेटा का विश्लेषण करके बीमारियों का पता लगाया जाएगा और इलाज के बाद रिकवरी का भी आकलन होगा।

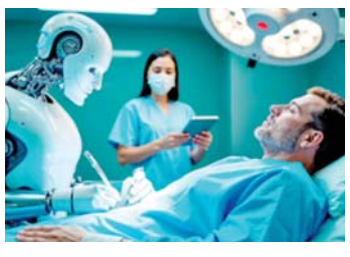

क्लीनिक का मुख्य उद्देश्य एडवांस्ड एल्गोरिदम और ऑटोमेशन के जरिए बीमारियों का पता लगाने, इलाज करने और मरीजों की देखभाल को बेहतर करना है। ये क्लिनिक या तो छोटे और आत्मनिर्भर यूनिट होते हैं या फिर किसी बड़े अस्पताल का हिस्सा होते हैं। यह सिस्टम मरीजों के लक्षणों का रियल-टाइम में विश्लेषण करने में मदद करता है। AI क्लिनिक का एक बड़ा फायदा यह है कि ग्रामीण भारत जैसे दूरदराज या कम सुविधाओं वाले इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ेगी।

AI एल्गोरिदम एक्स-रे, सीटी स्कैन और एमआरआई का विश्लेषण करते हैं। इससे फ्रैक्चर, फेफड़ों में गांठ या बहुत छोटे ट्यूमर जैसी बीमारियों का पता जल्दी लगाया जा सकता है। यह आपातकालीन स्थितियों में जल्दी जांच करता है और डॉक्टरों को गंभीर मामलों को प्राथमिकता देने में मदद करता है। इससे मरीजों को इंतजार कम करना पड़ता है और इलाज के नतीजे बेहतर होते हैं। इससे रेडियोलॉजिस्ट की कार्यक्षमता 40% तक बढ़ जाती है और जानलेवा समस्याओं का रियल-टाइम में पता चल जाता है।

AI, पैथोलॉजी को भी बदल सकता है। यह टिश्यू के विश्लेषण को ऑटोमेट करता है और ऐसी बीमारी के पैटर्न को पकड़ सकता है, जो इंसान की आंखें से आसानी से चूक जाते हैं। AI के साथ डिजिटल पैथोलॉजी कठिन मामलों के प्रोसेसिंग समय को कम कर सकती है। इससे गलतियों की गुंजाइश भी कम हो जाती है।

AI, शुरुआती कैंसर का पता लगाने में बहुत मदद कर सकता है। यह इमेजिंग डेटा की जांच करके स्तन में गांठ या फेफड़ों में गांठ जैसी चीजों का पता लगाता है। यह रेडियोलॉजिस्ट की तुलना में कहीं ज्यादा सही होता है। डीप लर्निंग से गलत पॉजिटिव और नेगेटिव को कम करने में भी मदद मिलती है। इससे बीमारी के जोखिम भी कम हो जाता है। डिवाइस और ऐप्स दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल जैसी जरूरी चीजों को लगातार ट्रैक कर सकते हैं। जब कोई अनियमितता होती है, तो यह रियल-टाइम में देखभाल करने वालों को अलर्ट कर सकता है। इससे अस्पताल में दोबारा भर्ती होने की दर भी काफी कम हो जाती है।

सोशल मीडिया

कोलंबिया की मारिया,उम्र 124 साल होने का दावा, मछली और केला है लम्बी आयु का राज़ !

अक्सर कहा जाता है कि महिलाएं पुरुषों के मुकाबले लंबी जिंदगी जीती हैं। कई ऐसी महिलाएं हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी का शतक पूरा किया है। आज के समय में जब कई तरह की बीमारियां लोगों को बेहद कम उम्र में मौत के मुंह में धकेल देते हैं, ऐसी स्थिति में सौ साल पूरा करना किसी ख़िताब से कम नहीं है।

दुनिया में जो सबसे बुजुर्ग महिला मानी जा रही हैं, वो 124 साल की उम्र पार कर चुकी हैं। कोलंबिया के ब्यूनावेंचुरा शहर में रहने वाली मारिया एंटोनिया कुएवों इन दिनों सोशल मीडिया और न्यूज पर छाई हुई हैं। रिकार्ड्स के मुताबिक, उनकी जन्मतिथि 18 अक्टूबर 1901 बताई जाती है, जो उनकी सिटीजनशिप कार्ड में दर्ज है। अगर ये साबित हो गया तो वो दुनिया की सबसे लंबी उम्र वाली जीवित महिला बन जाएंगी, जो फ्रांस की जीन लुई कैलमेंट (122 साल) के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी। मारिया एंटोनिया का जन्म कोलंबिया के वैले डेल कौका में मेयरक्विन नदी के किनारे हुआ था। वो एक बड़ी फैमिली से हैं, जिसमें 10 भाई-बहन थे। मारिया के खुद के 8 बच्चे हैं। 26 पोते हैं, 24 परपोते और 54 परपरपोते हैं। यानी कुल 80 से ज्यादा पोते-पोतियां वाली दादी हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में विश्व युद्ध, महामारियां, कोलंबिया की राजनीतिक उथल-पुथल सब देखी हैं लेकिन वो आज भी फिट हैं। हाल ही में वीडियो वायरल हुआ जहां वो खुद कपड़े धोती नजर आईं। इसके अलावा वो बगीचे में पौधे लगाती हैं, और यहां तक कि खुद ड्राइव भी कर लेती हैं। उनकी बेटी डेलसी (66 साल) बताती हैं कि मां खुद नहाती हैं, खाना बनाती हैं, गाती हैं, नाचती हैं और तैराकी भी करती हैं। उन्हें ऑस्टियोपोरोसिस है लेकिन डॉक्टर कहते हैं कि उनकी हड्डियां और सेहत उम्र के मुताबिक बहुत अच्छी है।

क्या है लंबी उम्र का राज?: अपनी लंबी उम्र के बारे में मारिया एंटोनिया बताती है कि वो रोज प्लाटेनो (एक तरह का केला) खाती है और जिंदगी में टेंशन नहीं लेती हैं। पहले वो कहती थीं कि हंसते रहो, चिंता कम करो, बाहर रहो, ज्यादा चलो, कम बैठो, ताजा मछली खाओ, तैराकी और नाव चलाओ। बचपन से मारिया मछली पकड़कर खाती थीं, क्योंकि उनका घर नदी के किनारे था.। डॉक्टर और वैज्ञानिक उनके केस को स्टडी कर रहे हैं। अभी दुनिया की सबसे बुजुर्ग वैरिफाइड महिला यूके की एथेल कैटरहम हैं, जिनकी उम्र 116 साल से ज्यादा है। वो 1909 में पैदा हुई और 2025 में दुनिया की सबसे बुजुर्ग बनी। गिनीज और लॉन्गेवीक्वेस्ट ने उनकी उम्र को कन्फर्म किया है। अगर मारिया एंटोनिया का क्लेम साबित हो गया तो रिकॉर्ड टूट जाएगा, क्योंकि 124 साल इंसानी इतिहास में अभी तक दर्ज नहीं है।

निशाना

पेड़ों को काट दिया..!

नीतिराज चौरे 'नीति '

कर्मों से सब कुछ पाना, आसान नहीं होता,
भीड़ का कारण बन जाना, आसान नहीं होता।
राजनीति के दाव पेच, खरतनाक है दोस्तो,
हर चाल पर शह पा जाना, आसान नहीं होता।
सागर की लहरों की ताकत है अद्भुत बलशाली,
उन लहरों पर तैर के जाना, आसान नहीं होता।।
वर्षों से जो पेड़ खड़े थे, उनको तुमने काट दिया,
नए पौधे को वृक्ष बनाना, आसान नहीं होता।।
जो दिखता है वही सत्य है,
'नीति' इस बात मे संशय है,
सत्य को भी सत्य बताना, आसान नहीं होता।

न्यूज विंडो

प्रतिभावान स्कूली विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री की वितरित

गंजबासौदा। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच स्थापना दिवस के अंतर्गत पूरे राष्ट्र मे खिदमत सप्ताह के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसी अभियान के तहत प्रतिभावान बच्चो को शैक्षणिक सामग्री वितरण की गई तथा महान संत परमहंस योगानंद की जयंती पर उन्हें याद किया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गौ सेवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा अनेकता मे एकता भारत की विशेषता है हम लोग बाहर से भले अलग-अलग दिखते हो लेकिन हम भीतर से एक थे एक है और एक रहेगे। राष्ट्रीय पहचान संस्कृति हम सबकी साझा है। किसी बाहरी आक्रमण या संकट के समय ही नही बल्कि हर समय समाज मे प्रेम भाई चारा सद्भाव जरूरी है।

उपजेल में विधिक साक्षरता शिविर, कैदियों को दी जानकारी

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार को उपजैल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन रावेंद्र कुमार सोनी तृतीय व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ खंड एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। शिविर में न्यायाधीश ने संबोधित करते हुए संविधान के मूलभूत अधिकार कर्तव्यों को बताते हुए निःशुल्क विधिक सहायता के संदर्भ में अवगत कराया। एडवोकेट संजीव कुमार अरोरा ने संबोधित कर मानसिक रूप से बीमार और मानसिक रूप से विकलांग व्यक्तियो के लिये विधिक सेवाएं, स्वच्छता के महत्व ,नालसा हेल्प लाइन नंबर के संदर्भ में अवगत कराया शिविर में सहायक अधीक्षक आलोक भार्गव द्वारा पैरोल के संदर्भ में अवगत कराया। शिविर में सुनील राजपूत, सौरभ कुशवाह, प्रमुख प्रहरी शिवकरण साकेत, प्रहरी मोंटू जाट, रामराजसिंह, राजा भैया समस्त जैल स्टॉफ एवं बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट संजीव कुमार अरोरा ने किया।

दो समुदायों का विवाद में सुलझाने पहुंची पुलिस पर किया पथराव, चार घायल

भाजपा विधायक के पेंची गांव में प्रेम-प्रसंग को लेकर हुआ था टकराव

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले की चांचौड़ा पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। मामला गुना के चांचौड़ा थानांतर्गत और चांचौड़ा की भाजपा विधायक प्रियंका मीना के गांव पेंची यानी नेशनल हाईवे-46 का है। एक लड़की के अपहरण से गुस्साए ग्रामीण मीना समाज के लड़के के घर को जलाने की धमकी देकर अपने गांव वापस लौट रहे थे।

बीनागंज पुलिस चौकी की टीम से आमना-सामना हो गया। टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने उनको यहीं रोकने का प्रयास किया, जिससे गुस्साए लोगों ने पुलिस वाहन पर पथराव कर दिया और वहां पहुंचे चार पुलिस कर्मियों पर हमला बोल

दिया। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट ही नहीं की बल्कि पथराव एवं लाठी-डंडों से प्राणघातक हमला कर दिया। इससे पुलिस कर्मी घायल हो गए, जिनको इलाज के लिए बीनागंज स्वास्थ्य केन्द्र से गुना जिला अस्पताल भेजा गया है। दो पुलिस कर्मियों की हालत गंभीर है।ग्रामीणों ने बताया कि अपहरण की चांचौड़ा थाने की पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज न करने से लोग नाराज थे। पुलिस राजनीतिक दबाव में अपहरण के आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज नहीं कर रही है। इसको लेकर गांव के लोगों ने बीते ही रोज चांचौड़ा पुलिस थाने का लड़की के परिजनों ने घेराव किया था, जहां चांचौड़ा टीआई मनोज मेहरा ने घेराव करने वालों को समझाया था कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा और लड़की को उसके परिजनों को सौप दिया जाएगा। इन प्रदर्शनकारियों ने दो दिन में कार्रवाई न होने पर जंगी आंदोलन और चक्काजाम करने की चेतावनी भी दी थी।

आग लगाने की धमकी

सोमवार को लड़की के परिवार वाले काफी भीड़ के साथ पुनः चौकी पर एकत्रित हो गए और यहां पर पुलिस द्वारा रिपोर्ट न लिखे जाने पर नाराजगी जताई और संदेही लड़के का घर जलाने की चेतावनी देकर पेंची की और रवाना हो गई। भीड़ ने नेशनल हाईवे-46 पर जाम लगाने की कोशिश की, जिसको रोकने का प्रयास चांचौड़ा पुलिस थाने में पदस्थ आरक्षक नरेन्द्र झा और मोनू करारे ने किया तो भीड़ ने इनको बंधक बनाया और पीटा।

कैलवारा कलां में तेंदुआ के मिले पगमार्क, शहर से सटे कई गांवों में दहशत

बहोरीबंद में तार में फंसा मिला भालू, वन विभाग ने किया रेस्क्यू, इलाज किया शुरू

कटनी। दोपहर मेट्रो

शहर से सटे एक गांव में तेंदुआ के पगमार्क मिलने से हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों में दहशत का माहौल है व बच्चे भय के साये में जी रहे हैं। हालांकि सूचना पर वन विभाग की टीम ने मुनादी की कार्रवाई शुरू की दी है। जानकारी के अनुसार मैहर रोड पर स्थित कैलवारा कला गांव के पास तेंदुआ के पगमार्क देखे गए हैं। बताया जा रहा है कि गांव वालों ने भी तेंदुआ को देखा है। इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद टीम सक्रिय हो गई है। कैलवारा में वन विभाग की टीम पहुंचकर मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने कहा है। रात में व दिन में भी अकेले जंगल व खेत की ओर न जाने कहा है। पगमार्क के अनुसार तेंदुओं के मूमेंट को विभाग देख रहा है। तेंदुआ के पगमार्क मिलने से शहर से लगे हुए चाका, लमतरा सहित कुछ ही दूरी पर स्थित गांव घंघरीकला, खम्हरिया, मदनपुरा, पटवारा, पूंछी, करहिया, पठरा गांव में दशहत का माहौल है। किसान जहां खेत जाने से डर रहे हैं तो वहीं बच्चों में भी भय का माहौल बना हुआ है।

खेत में लगी तार में फंसा भालू

बहोरीबंद क्षेत्र अंतर्गत बाकल के पास एक गांव में जंगल से भालू गांव तक पहुंच गया। इस दौरान एक खेत में सुरक्षा के लिए लगी कांटे वाली तार में जाकर फंस गया। जब ग्रामीणों ने देखा तो इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद रेस्क्यू किया गया। जानकारी के अनुसार बहोरीबंद क्षेत्र अंतर्गत बाकल के पास खम्हरिया गांव में खेत में फसलों की सुरक्षा के लिए लगाई गई फेंसिंग में भालू फंस गया था। ग्रामीणों ने देखा तो डर गए। इसके बाद सूचना पर वन विभाग के बहोरीबंद रेंजर रेंजद देवेश गौतम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। जबलपुर से पहुंचे चिकित्क डॉ. अमोल रोकड़े व उनकी टीम के साथ मिलकर ट्रैंक्यूलाइज कराते हुए चोट का इलाज कराया गया। इसके बाद टीम ने भालू को मुकुंदपुर जू भेजा गया, जहां पर अब वह स्वस्थ व सुरक्षित है। भालू की उम्र लगभग 8 से 10 माह का बताया जा रहा था। हालांकि वयस्क होने में थोड़ा छोटा है। बताया जा रहा है कि भालू शहद की तलाश में था, इसी दौरान वह तार में फंस गया।

व्यस्त गली में मकान छज्जा गिरने से टला बड़ा हादसा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय वार्ड 13 स्थित चक्र स्वरूप नगर की गली में सोमवार दोपहर उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक मकान का छज्जा अचानक भरभराकर नीचे सड़क पर आ गिरा। संयोगवश, ठीक उसी स्थान से कुछ ही क्षण पहले तीन छोटे-छोटे बच्चे गुजर चुके थे। बच्चों के निकलते ही पलभर में छज्जा जमीन पर गिर गया, जिससे वे उसकी चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना दोपहर के समय हुई, जब गली में आमतौर पर काफी चहल-पहल रहती है। इस गली में बच्चे दिनभर खेलते रहते हैं और आवागमन भी अत्यधिक रहता है। गली में खाटू श्याम मंदिर, हनुमान मंदिर, शिव मंदिर और देवी मंदिर स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं का लगातार आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जैसे ही तेज आवाज के साथ छज्जा नीचे गिरा, पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के घरों से लोग बाहर निकल आए और जहां से आवाज आई थी उस ओर दौड़े। सड़क पर गरीब मलवे को देखकर जब यह स्पष्ट हुआ कि चपेट में कोई नहीं आया है तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।मोहल्लेवासियों का कहना है कि यदि छज्जा कुछ सेकंड पहले गिर जाता तो एक अत्यंत दर्दनाक हादसा घटित हो सकता था। इसे सभी ने ईश्वरी कृपा बताया।

विधायक से मदद की गुहार... महाराष्ट्र में बंधक बनाए गए 32 आदिवासी छुड़वाएं

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

दीपनाखेड़ा थाने की करैयाहाट पंचायत के बरवटपुरा के 32 आदिवासी मजदूरों के महाराष्ट्र के ग्राम गिरौली में बंधक होने का मामला सामने आया है। बरवटपुरा के कई आदिवासी सोमवार को स्थानीय भाजपा नेता अरविंद रघुवंशी के साथ कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे के पास अपनी व्यथा लेकर पहुंचे। इन लोगों ने विधायक को बताया कि गांव के 32 लोग डेढ़ महीने पहले महाराष्ट्र के ग्राम गिरौली तहसील भूम जिला धारासीव में मजदूरी करने गए थे। इन सभी को ठेकेदार रिजवान मजदूरी करने का कह कर अपने साथ ले गया था। अब ये सभी लोग वहां से वापस लौट कर नहीं आ पा रहे है। इन सभी से जबरन मजदूरी करवाई जा रही है। विरोध करने पर ये लोग उनके साथ मारपीट भी कर रहे हैं। आदिवासियों ने विधायक सप्रे से अपने साथियों को छुड़वा कर वापस सिरोंज लाने की

व्यवस्था करने की मांग की है। इस दौरान विधायक ने मामले को लेकर एसपी से चर्चा करने की बात कही है।

चर्चा में बरवटपुरा निवासी गणेशराम ने बताया कि जो लोग बंधक हैं। उनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जहां ये लोग बंधक हैं। वहां उन्हें मोबाइल भी नहीं दिया जा रहा। इस कारण उनसे बातचीत भी नहीं हो पा रही। ठेकेदार उन्हें गन्ना काटने के लिए 500 रूपए रोज मजदूरी पर ले कर गया था। उनके साथ मुंगावली के भी कुछ मजदूर गए थे। वे कोशिश कर वापस लौट आए हैं लेकिन बरवटपुरा के सभी मजदूरों को कोई सहारा नहीं मिल पा रहा।

भगवान पर टिप्पणी करने वाले युवक पर हो सख्त कार्रवाई

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भगवान राम को नारी विरोधी बताने वाले युवक पर कार्रवाई को लेकर सोमवार को रघुवंशी और कुशवाह समाज के साथ ही करणी सेना भी मैदान में उतर आई। दोपहर में तीनों ही समाजों के संगठन संयुक्त रूप से नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय में पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में उन्होंने बताया कि भीम आजाद समाज पार्टी के कार्यक्रम में भगवान श्री को महिला विरोधी बताते हुए उनको लेकर अमर्यादित टिप्पणी की गई थी। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दीपक बौद्ध नाम का युवक रामचरित मानस का उल्लेख करते हुए प्रभु श्री राम और माता जानकी को लेकर आपत्तीजनक टिप्पणी कर रहा है। यह टिप्पणी हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के साथ ही सामाजिक विद्वेश फेलाने वाली प्रतीत हो रही है। रघुवंशी समाज भगवार राम की वंशज है। युवक की इस टिप्पणी से समाज में आक्रोश फेला हुआ है। यदि उक्त युवक दीपक बौद्ध के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो समाज द्वारा बड़ा जन आंदोलन खड़ा किया जाएगा। इसी तरह की मांग कुशवाह समाज और करणी सेना ने भी अपने ज्ञापन में की। ज्ञापन सौंपने वालों में अरविंद रघुवंशी, राकेश कुशवाह, गोविंद चौहान तथा मोहन रघुवंशी के साथ ही अनेक लोग शामिल हैं।

3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर भीम आजाद पार्टी द्वारा पुराना बस स्टैंड पर कार्यक्रम का आयोजन किया था। सभा के दौरान पार्टी के जिला उपाध्यक्ष दीपक बौद्ध ने भगवान राम और सीता जी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसमें युवक भगवान राम को नारी विरोधी बता रहा है। इसी दिन विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने युवक द्वारा की गई टिप्पणी का विरोध करते हुए उस पर कार्रवाई की मांग की थी। इस शिकायत की जानकारी लगने पर भीम आर्मी ने भी दीपक बौद्ध से पल्ला झाड़ लिया था और संगठन के मुखिया गब्बर अहिरवार ने सभी धर्म और भगवान के सम्मान की बात कही थी। मामले को लेकर सोमवार को सिरोंज पुलिस भी एक्टीव हुई और दीपक बौद्ध पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। हालांकि सभा स्थल सिरोंज थाने के पास में ही था लेकिन इसके बाद भी पुलिस को जांच में दो दिन लग गए। टीआई विमलेश राय ने बताया कि मामले में मंडी बामौरा निवासी दीपक बौद्ध पर धार्मिक भावनाएं भड़काने के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जल्द ही आगे कार्रवाई की जाएगी।

बड़नगर मंडी से 15 लाख की सोयाबीन से भरा ट्रक चोरी, अतंरराज्यीय गिरोह को पकड़ा

उज्जैन। जिले की बड़नगर मंडी से 15 लाख रुपए की सोयाबीन से भरा ट्रक चोरी करने वाले अतंरराज्यीय गिरोह के सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम नीमच, जयपुर, चित्तौड़गढ़ और रतलाम तक आरोपियों का पीछा करती रही। पुलिस ने बदनावर क्षेत्र में वंडर सीमेंट फैक्ट्री के पास घेराबंदी कर सोयाबीन से भरे ट्रक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 45 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। नरेंद्र पिता सतीशचंद्र राठी,निवासी बड़नगर ने

बड़नगर पुलिस को बताया था कि वह अपने भाई अतुल राठी के साथ कृषि उपज मंडी बड़नगर में फर्म सतीश चन्द्र गीरिश चन्द्र के नाम से कृषि उपज का व्यवसाय करते हैं। 25 दिसंबर को लगभग 280 क्विंटल सोयाबीन से भरा ट्रक मंडी परिसर स्थित गोदाम के सामने खड़ा था, जिसे मोरवी नंदन प्रोटीन्स लिमिटेड, नीमच भेजा जाना था। लेकिन देर रात को ट्रक चोरी हो गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बड़नगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

मेट्रो एंकर

देर रात कड़ाके की ठंड में नपाध्यक्ष ने रैन बसेरों का किया निरीक्षण

यात्रियों, परिक्रमा करने वालों से व्यवस्थाओं का लिया जायजा

साफ-सफाई रखने के साथ पेयजल व्यवस्था करें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

देर रात इस कड़ाके की ठंड में जब सब लोग घर में दुबके हुए थे तब नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा नगरपालिका द्वारा संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने रैन बसेरों में पुख्ता इंतजाम, प्रतिदिन साफ सफाई रखने, रूम हीटर जलाने तथा पेयजल की व्यवस्था रखने के केयर टेकर्स को निर्देश दिए। उन्होंने नपा द्वारा जलाए जा रहे अलाव संबंधी जानकारी ली। बस स्टेंड पर स्थित रैन बसेरे के सामने खड़ी बस पर नाराजगी जताई तथा उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए।

नपाध्यक्ष श्रीमती यादव द्वारा सेठानीघाट स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया गया। यहां कचरा देख केयर टेकर पर नाराजगी व्यक्त की तथा केयर टेकर

अजय गौर से समूचे रैन बसेरा में पेयजल व्यवस्था, शौचालय की उचित साफ सफाई तथा स्वच्छ कंबल परिक्रमावासियों और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराएं जाने के निर्देश दिए।

बस स्टेंड के सामने स्थित रैन बसेरे का भी नपाध्यक्ष द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान वहां रुके हुए यात्रियों, परिक्रमावासियों और श्रद्धालुओं से व्यवस्था को लेकर चर्चा की। जिस पर सभी ने संतोष व्यक्त किया। साथ ही बस स्टेंड पर साफ सफाई के निर्देश भी दिए गए हैं।

8 स्थानों पर जलाए अलाव

सेठानीघाट स्थित नपा द्वारा जलाए गए अलाव के पास बैठे लोगों से चर्चा की तथा बाहर न रुककर रैन बसेरों में रुकने की बात कही गई। नपा द्वारा सेठानीघाट, कोरीघाट, बस स्टेंड, विवेकानंद घाट, अस्पताल परिसर, सतरस्ता पर अलाव जलाए गए हैं।

कोई भी व्यक्ति बाहर न रुकें

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने परिक्रमावासियों, श्रद्धालुओं और यात्रियों से आग्रह किया है कि इस कड़ाके की ठंड में बाहर न रुकें। नगरपालिका द्वारा नगर के अनेक स्थानों पर अलाव जलाए हैं और रैन बसेरों में रुकने की समुचित व्यवस्था की गई है। नपा द्वारा यह व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क है।

न्यूज विंडो

अज्ञात व्यक्ति ले जा रहा था भैंस ग्रामीणों को आता देखकर भागा

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र मवेशियों की चोरी सबसे अधिक होने की घटनाएं सामने आती हैं। यह के लोग अक्सर थाने में खड़े रहते हैं जो ये बताते हैं कि उनके मवेशी चोरी हो गये है ओर अब उनके परिवार के भ्रमण पोषण होना मुश्किल हो गया है, क्योंकि उन्हीं मवेशियों के दूध से परिवार का भ्रमण पोषण होता था। ऐसा ही एक चोर रविवार की रात ग्राम के कुछ लोगों को देखकर उन भैंसों को मौके पर छोड़कर भाग गया हैं जो भैंसों की चोरी करके ले जा रहा था। मामला दरौली ग्राम से सामने आया है रात्रि के समय एक व्यक्ति सात नग भैंस लेकर पैदल जा रहा था दरौली तिगड्डे पर व्यक्ति जैसे ही पहुंचा उसी समय कुछ लोग वहां खड़े थे। अचानक एक ट्रक आ गया जिसकी हैडलाइट में व्यक्ति का चेहरा दिख गया। जैसे ही उस व्यक्ति का चेहरा दिखाई दिया उसने भैंसों को छोड़ा और दौड़ लगा दी बाद ग्राम के लोगों ने भैंसों को मुख्य मार्ग से दूर किया और सूचना मीडिया को दी। दीपक यादव दरौली निवासी ने बताया उनके बड़े पिता की दुकान मुख्य मार्ग पर है। रात्रि में वह निस्तार को उठे उसी समय भैंसों को हॉककर व्यक्ति ले जा रहा था किन्तु उसका जैसे ही चेहरा दिखा और उससे पूछताछ की तो उसने बिना जवाब दिये दौड़ लगा दी। भैंसों कोदरौली में छोड़ गया। अनुमान यह लगाया जा रहा है वह भैंस का चोर था जो भैंसों को लेकर जा रहा था किन्तु ट्रक की हैडलाइट में उसका चेहरा दिख गया था इसलिए उसने खुदको बचाया और भाग गया भैंस सुरक्षित है जिस व्यक्ति की हो वह दरौली आकर उनकी पहचान कर सकता है।

लापरवाही: घटना के बाद वाहनों को कस्टडी में नहीं लेती पुलिस

हादसे के बाद घटना स्थल से क्षतिग्रस्त वाहनों के पार्ट्स हो रहे चोरी, पुलिस मौन

तेंदूखेड़ा/दमोह। विशाल रजक

तेंदूखेड़ा ब्लॉक में सड़क हादसों के बाद पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की सुरक्षा के प्रति उदासीनता के चलते अब चोरों के हौसले बुलंद हैं। हालत यह हैं कि हादसे के बाद कई दिनों तक वाहन घटनास्थल पर ही लावारिस पड़े रहते हैं, जहां से चोर उनके पार्ट्स ले जाते हैं। स्थानीय नागरिकों और ग्राम समनापुर के निवासियों का कहना है कि कोहरे के इस मौसम में सड़क किनारे खड़े ये क्षतिग्रस्त वाहन बड़े हादसों को न्यौता दे रहे हैं। नियमानुसार दुर्घटना के तुरंत बाद पुलिस को वाहन अपनी कस्टडी में लेना चाहिए, लेकिन तेंदूखेड़ा और तारादेही क्षेत्र में महीनों तक कार्रवाई नहीं होती प्रशासन की इस चुप्पी से न केवल जनता की संपत्ति का नुकसान हो रहा है। सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। क्षेत्र में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी है। सड़क हादसों के बाद वाहनों के पार्ट्स चुराकर चोर ले जाते हैं। घटनास्थल पर सिर्फ वाहनों के ढांचा ही नजर आता है।

राहगीरों ने बताया कि क्षेत्र में अनेक इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। घटना के एक-एक सप्ताह तक घटनास्थल पर छतिग्रस्त वाहन पड़े रहते हैं। जिससे हादसों का डर भी बना रहता है। साथ ही इन वाहनों की सामग्री भी चोरी हो जाती है। चोर रात के वक्त इन वाहनों की सामग्री चोरी की जाती है। मार्ग पर सुनसान होता है और डर के कारण इन मार्गों से निकलने वाले वाहन व राहगीर रुकते नहीं है।वाहनों की लाइट देखकर चोर झाड़ियों व पेड़ों की आड़ में छिप जाते हैं और वाहनों की सामग्री चोरी कर ले जाते हैं। ये पुलिस की भारी लापरवाही व अनदेखी है। जिसके कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। चोर बेखौफ होकर पार्ट्स चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

एक नजर घटनाओं और पार्ट्स चोरी पर

केस: 1

एक जनवरी को झलौन मार्ग पर जबलपुर निवासी प्रदीप पाठक और अलका पाठक की नागबाबा के समीप सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।जबकि घटनास्थल पर कार क्रमांक एमपी 20सीएच 20.27 कार के सभी टायर सुरक्षित थे, लेकिन पुलिस की अभिरक्षा के अभाव में दो दिन बाद कार के पीछे तरफ के दोनों टायर व अन्य सामग्री चोरी हो गई। वर्तमान में कार पत्थरों के सहारे खड़ी हुई है।

केस: 2

18 जुलाई को दमोह तेंदूखेड़ा मार्ग पर पांजी सांगा के बीच एक कार बंदर को बचाने के चक्कर में सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई थी, जिसमें माडनखेड़ा निवासी राजू लोधी व जितेन्द्र लोधी घायल हुए थे जिन्हें जबलपुर रेफर किया गया था। घटना के 24 घंटे बाद भी कार क्रमांक एमपी 20 जीएस 1537 पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में नहीं ली, जिसके बाद तीसरे दिन इस बोलेरो कार के चारों टायर व अन्य सामग्री चोरी हो गई।

केस: 3

इसी तरह तारादेही थाना क्षेत्र अंतर्गत 1 दिसंबर 2025 को समनापुर के पास मक्का के भूसे से भरे ट्रक में शार्ट सर्किट से आग लगने से खाक हो गया था लेकिन डेढ़ महीने बीतने के बाद भी पुलिस ने अभी तक अभिरक्षा में नहीं लिया, ना ही घटनास्थल से उठवाया। इससे कोहरे में आए दिन बाइक सवार व अन्य वाहन हादसों हो रहे हैं। साथ ही घटनास्थल से ट्रक की सामग्री चोरी हो रही है।

कटनी जंक्शन पर कार्रवाई

आईआरसीटीसी फूड प्लाजा में अनियमितता मिलने पर किया सील

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी जंक्शन पर यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराने वाला आईआरसीटीसी फूड प्लाजा फिलहाल बंद कर दिया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल ने गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए फूड प्लाजा को तत्काल प्रभाव से तीन दिनों के लिए बंद करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई लगातार मिल रही यात्रियों की शिकायतों और निरीक्षण के दौरान सामने आई खामियों के बाद की गई है। स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) कार्यालय द्वारा जारी आदेश में यह भी साफ किया गया है कि यदि तय समयसीमा में सभी कमियों को दूर नहीं किया गया तो बंदी की अवधि को आगे भी बढ़ाया जा सकता है। जानकारी के अनुसार रेलवे अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में फूड प्लाजा में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। सबसे अहम बात यह रही कि पहले से लगाई गई 10 हजार और 5 हजार की पेनाल्टी, कुल 15 हजार की राशि अब तक जमा नहीं की गई थी। इसके अलावा फूड प्लाजा के पीछे के हिस्से में भारी गंदगी पाई गई, जहां नियमित सफाई का अभाव साफ नजर आया। सुरक्षा और पहचान से जुड़े नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। कई वेंडरों के डिजिटल आईडी कार्ड तक नहीं बनाए गए थे। इतना ही नहीं, किचन एरिया के बाहर, नॉन-किचन स्थानों पर भी खुले तौर पर खाद्य सामग्री तैयार की जा रही थी, जो रेलवे और फूड सेफ्टी मानकों का सीधा उल्लंघन है।

भोजपुर से शुरू की किसान जन आंदोलन यात्रा

पटवारी बोले- किसान विरोधी है मध्यप्रदेश की भाजपा की सरकार

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रायसेन जिले की भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में भोजेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण से प्रदेश किसान कांग्रेस द्वारा आयोजित किसान जन आंदोलन यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

यात्रा के शुभारंभ से पहले जीतू पटवारी ने भोजेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। सभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 20 वर्षों से भाजपा की सरकार है, जिसमें 18 वर्ष शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री रहे और अब केंद्रीय कृषि मंत्री हैं। उनके संसदीय क्षेत्र विदिशा सहित पूरे प्रदेश में किसान शोषित हैं। किसानों को नकली खाद-बीज मिल रहे हैं, फसल बीमा के नाम पर लूट हो रही है और उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। भाजपा ने घोषणा पत्र में किसानों से गेहूं, धान और सोयाबीन की जो एमएसपी देने की बात कही उससे सरकार मुकर गई। पटवारी ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस प्रदेशभर में यह यात्रा निकाल रही है, जो किसानों की आवाज को बुलंद करेगी। रायसेन जिले में यात्रा का पहला दिन भोजपुर से शुरू होकर लोरकापिपलिया, सतलापुर, मंडीदीप होते हुए दाहोद में रात्रि विश्राम के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंडीदीप में यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान, सिलवानी विधायक देवेंद्र पटेल, पूर्व विधायक उदयपुरा देवेंद्र पटेल, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष रणजीत सिंह रघुवंशी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष दीपेश मीणा सहित यूथ कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और अन्य इकाइयों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बुढ़ार में गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट 13 जनवरी से

शहडोल। दोपहर मेट्रो

नगर के स्व.कुशाभाऊ ठाकरे मैदान में प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय गोल्ड कप क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य उद्घाटन इस वर्ष 13 जनवरी से किया जाएगा , प्रतियोगिता का फाइनल 21 जनवरी को खेला जाएगा । नगर की खेल एवं सामाजिक संस्था फ्रेंड्स स्पोर्ट्स एंड कल्चरल सोसाइटी के तत्वाधान में स्थानीय स्टेडियम में आयोजित किए जा रहे इस खेल टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। आयोजकों का कहना है कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से क्षेत्रीय खिलाड़ियों को एक सशक्त मंच मिलेगा, जिससे वे अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगे। टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं खेल प्रेमी नागरिक अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। स्थानीय विधायक जय सिंह मरावी के मार्गदर्शन में होने वाले इस टूर्नामेंट की लोकप्रियता शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वृहद रूप से है। आयोजन समिति के सदस्य अवधेश पांडे (पिंटू) ने बताया कि इस टूर्नामेंट में स्थानीय सहित देश के कई हिस्सों की टीमें भाग लेंगी। आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता में दिल्ली, बिलासपुर, जबलपुर, प्रयागराज, रीवा, शहडोल,अंबिकापुर , पेंड्रा, उमरिया एवं बुढार की टीमों भाग लेंगी।

मकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, सामान खाक

तेंदुखेड़ा। थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम झलौन में आज तड़के लगभग सुबह 5 बजे एक मकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह आग लोकचंद जैन, निवासी गुहची झलौन के मकान की दहलान में लगी। आग लगने से घर में रखा वॉशिंग मशीन, कूलर, पंखा, पलंग, बिस्तर सहित घरेलू सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पटवारी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित पुलिस थाने को सूचना देने की बात कही गई। सौभाग्यवश इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मेट्रो एंकर | **अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट**

एमईजी बेंगलुरु शानदार प्रदर्शन कर की जीत दर्ज

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद धनपुरी के तत्वावधान में सुभाष स्टेडियम क्रमांक-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 पूरे शबाब पर है। देशभर की नामी टीमों की भागीदारी से यह टूर्नामेंट खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतिदिन हजारों दर्शक मैदान के चारों ओर बैठकर रोमांचक मुकाबलों का आनंद ले रहे हैं।

5 जनवरी को खेले गए मुकाबलों में मौसम का विशेष प्रभाव देखने को मिला। सुबह से घना कोहरा पूरे मैदान पर छाया रहा, जिससे दृश्यता कम हो गई। कोहरा और हल्की धूप के बीच पूरे दिन संघर्ष चलता रहा। दोपहर 12:30 बजे के बाद हल्की धूप जरूर निकली, लेकिन तेज ठंडी हवा ने शीतलहर का अहसास बनाए रखा, जिससे मौसम शिमला-मनाली जैसा प्रतीत हो रहा था।

दिन का पहला मुकाबला एमईजी बेंगलुरु और राजस्थान पुलिस के बीच खेला गया। मैच शुरू होते ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन खेल शुरू होने के मात्र 45 सेकंड के भीतर बेंगलुरु की टीम ने गोल दागकर पूरे स्टेडियम में सनसनी फैला दी। मध्यांतर तक बेंगलुरु 1-0 से आगे रही। दूसरे हाफ में एक और शानदार गोल कर एमईजी बेंगलुरु ने राजस्थान पुलिस को 2-0 से पराजित किया। इस मैच में रेफरी की भूमिका में मेन्स रेफरी राजपुरी (धनपुरी), एआर-1 शाहरुख खान (टीकमगढ़), एआर-2 प्रिंस कुमार (सिंगरौली) एवं फोर्थ ऑफिशियल शेख कुनैन (अमलाई) रहे। मैच कमिश्नर नीरज शर्मा रहे। पहले मैच के मुख्य अतिथि डीएफए शहडोल के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं वर्तमान पार्षद शोभाराम पटेल, इंटक महामंत्री एवं एरिया जेसीसी सदस्य अमरजीत सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा, पूर्व अध्यक्ष विनीता जायसवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि शामिल रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 31 वर्ष 2025-26 — निविदा सूचना — भोपाल, दिनांक 31/12/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2025_PWDRB_472053_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित डी एक्स-ए, डी एक्स-बी, डी एक्स-सी, डी एक्स-डी, डी एक्स-ई, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
2	2025_PWDRB_472054_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित डी-टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
3	2025_PWDRB_472055_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित ई-टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
4	2025_PWDRB_472056_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित ई एफ, ई जी, ई एच, ई के-टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
5	2025_PWDRB_472057_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित डी-21 से डी-40, (सीबीआई) एवं डी-7/1 से डी-7/4 टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
6	2025_PWDRB_472058_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित ई-11/1 से ई-11/12, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
7	2025_PWDRB_472060_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 1, के आवासों में डी एवं ई टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं जल-अवरोधक का कार्य।	प्रथम	40.00
8	2025_PWDRB_472062_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित डी टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई, पेंट कार्य।	प्रथम	60.00
9	2025_PWDRB_472063_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 1 में स्थित ई टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेंट कार्य।	प्रथम	60.00
10	2025_PWDRB_472064_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 में स्थित बी-1, से बी-6, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
11	2025_PWDRB_472065_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2 में स्थित बी-7 से बी-12, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
12	2025_PWDRB_472066_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2, के आवासों सी-2/1 से सी-2/12, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
13	2025_PWDRB_472067_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2, के आवासों सी-2/13 से सी-2/25, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
14	2025_PWDRB_472068_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 2 में स्थित डी-3/1 से डी-3/21 एवं डी-4/21, डी-4/17 तक, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
15	2025_PWDRB_472070_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 2, के आवासों बी, सी, डी एवं ई टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं जल-अवरोधक का कार्य।	प्रथम	40.00
16	2025_PWDRB_472072_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 2 में स्थित बी टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेंट कार्य।	प्रथम	60.00
17	2025_PWDRB_472073_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 2 में स्थित सी एवं डी टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई, पेंट कार्य।	प्रथम	60.00
18	2025_PWDRB_472095_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित बी-12 से बी-23 तक टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
19	2025_PWDRB_472100_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित डी टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
20	2025_PWDRB_472106_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित ई एन-1/1, से ई एन-1/27 एवं ई एन-2/1, ई एन-2 30, तक टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
21	2025_PWDRB_472114_1	श्यामला हिल्स स्थित सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित बी-7, एवं बी-8 तक टाईप लोकायुक्त एवं उपलोकायुक्त आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
22	2025_PWDRB_472120_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 3, के आवासों बी, सी, डी एवं ईएन, टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं जल-अवरोधक का कार्य।	प्रथम	40.00
23	2025_PWDRB_472123_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित सी टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेन्ट कार्य।	प्रथम	60.00
24	2025_PWDRB_472127_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 3 में स्थित डी टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेन्ट कार्य।	प्रथम	60.00
25	2025_PWDRB_472129_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 4 में स्थित एफ-5, एवं एफ-6 टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
26	2025_PWDRB_472132_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 4 में स्थित एफ-8, एवं एफ-9, टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
27	2025_PWDRB_472136_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 4 में स्थित ई-7, एवं ई-6ए से ई-6सी तक टाईप आवासों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य।	प्रथम	60.00
28	2025_PWDRB_472140_1	चार इमली स्थित सेक्शन क्रमांक 4, के आवासों ई, एवं एफ टाईप में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं जल-अवरोधक का कार्य।	प्रथम	40.00
29	2025_PWDRB_472144_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 4 में स्थित ई-7, एवं ई-6ए से ई-6 सी तक टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेंट कार्य।	प्रथम	60.00
30	2025_PWDRB_472148_1	चार इमली सेक्शन क्रमांक 4 में स्थित एफ-5, एवं एफ-6 टाईप बंगलों में विभिन्न अनुरक्षण संधारण एवं विशेष मरम्मत का कार्य एवं अन्दर, बाहर पुताई एवं पेंट कार्य।	प्रथम	60.00

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 16/01/2026 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-23964/25

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संधारण संभाग
क्रमांक 2 भोपाल

नीता अंबानी ने किया विश्व विजेताओं को सम्मानित, रोहित-हरमनप्रीत कौर रहीं मौजूद

मुंबई। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने सोमवार को भारत के विश्व कप विजेताओं को सम्मानित किया। मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टीसी और पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की गई और उनके योगदान को देश के लिए गर्व का विषय बताया गया।साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार रहा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 12 साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था। इससे पहले टीम इंडिया ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। भारत ने 2025 में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी।

महिला क्रिकेटर ने रचा इतिहास

2025 महिला क्रिकेट के लिए भी ऐतिहासिक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने वो कर दिखाया, जो वर्षों से सपना था। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर भारत ने पहला आईसीसी महिला विश्व कप जीत लिया। भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन किया और बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा आत्मविश्वास के साथ किया। जैसे ही जीत का रन बना, मैदान से लेकर देश की सड़कों तक जश्न फैल गया। यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं, बल्कि महिला खेलों के आत्मविश्वास और सम्मान की जीत थी। भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने इतिहास रचते हुए पहले टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। कोलंबो में खेले गए फाइनल में भारत ने नेपाल को सात विकेट से हराया।

विश्वकप के लिए टीम भेजने पर बोले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष

हम सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे आईसीसी के फैसले का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए भारत में टी20 विश्व कप खेलने के लिए राष्ट्रीय टीम को भेजना सुरक्षित नहीं लग रहा है। अमिनुल का यह बयान ऐसे समय आया है, जब बीसीबी ने एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से औपचारिक रूप से अनुरोध किया था कि बांग्लादेश के टी20 विश्व कप मुकाबलों को भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाए। यह कड़ा कदम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से रिलीज किए जाने के बाद उठाया गया। अमिनुल ने कहा, आप जानते हैं कि इस फैसले से पहले हमने बोर्ड के सभी निदेशकों के साथ दो बैठकें की थीं। इस समय हम अपनी टीम को विश्व कप खेलने के लिए भारत भेजने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से हमने आईसीसी को पत्र लिखा है और उसमें अपनी चिंताओं को स्पष्ट रूप से रखा है। हमारे लिए सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है और हम उसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। बीसीबी अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने आईसीसी को ईमेल भेजा है और उम्मीद है कि जल्द ही बैठक के लिए बुलाई जाएगी, जिसमें वे अपनी चिंताएं विस्तार से रखेंगे। अमिनुल ने यह भी स्पष्ट किया कि बीसीबी का अगला कदम आईसीसी के जवाब पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, हमारा अगला कदम आईसीसी के ईमेल के जवाब पर तय होगा। यह आईसीसी का टूर्नामेंट है, इसलिए हम बीसीसीआई से नहीं बल्कि सीधे आईसीसी से ही संवाद कर रहे हैं।

आईपीएल से रिलीज हो चुके हैं रहमान

इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से रिलीज करने की घोषणा करते हुए केवल इतना कहा था कि यह फैसला चारों ओर हो रहे घटनाक्रमों के चलते लिया गया है, हालांकि उन्होंने इसकी कोई विस्तृत वजह नहीं बताई। बांग्लादेश को टी20 विश्व कप में भारत में तीन मैच कोलकाता और एक मैच मुंबई में खेलना था। ग्रुप सी में शामिल बांग्लादेश का पहला मुकाबला 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ होना था। इसके बाद टीम को गत चैंपियन इंग्लैंड, इटली और नेपाल से भी भिड़ना था।

बांग्लादेश ने आईपीएल प्रसारण पर रोक लगाई

भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजने का फैसला करने के बाद अब बांग्लादेश ने आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के खेल मंत्री आसिफ नजरुल ने कहा था कि उन्होंने बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्री से अनुरोध किया है कि बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण निलंबित किया जाए। इसके एक दिन बाद ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने आईपीएल का प्रसराण निलंबित करने का फैसला लिया। बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा, मार्च से शुरू होने वाले आगामी आईपीएल के लिए बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम से बाहर करने के बीसीसीआई के फैसले से बांग्लादेश के लोग बेहद आहत, दुखी और आक्रोशित हैं।

बांग्लादेश में जो हो रहा वो गलत, हरभजन सिंह

बांग्लादेश अपने मैच भारत में खेलेगा या नहीं इसका फैसला आईसीसी को करना है, लेकिन पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। इस मामले पर हरभजन ने कहा, पिछले कुछ दिनों में घटी विभिन्न घटनाओं के कारण बांग्लादेश भारत नहीं आना चाहता। बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है। आईसीसी को उनके अनुरोध पर निर्णय लेना होगा। हम भारत में सभी का स्वागत करते हैं, लेकिन बांग्लादेश यहां आना चाहता है या नहीं, यह उनका अपना फैसला है।

यूनाइटेड कप: जैकब मेन्सिक की शानदार शुरुआत

सिंगल्स मुकाबला जीतने वाले दूसरे सबसे युवा बने, रूड को दी शिकस्त

सिडनी। यूनाइटेड कप में चेक गणराज्य के जैकब मेन्सिक ने नॉर्वे के कैस्पर रूड के खिलाफ 7-5, 7-6(6) से जीत दर्ज की। जैकब मेन्सिक ने दोनों सेटों में आखिर तक संयम बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 5-5 पर एक महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इसके साथ एक सेट की बढ़त के लिए सर्व किया। दूसरे सेट में 5-4 पर मैच खत्म करने में नाकाम रहने के बाद जैकब मेन्सिक ने शानदार वापसी की।

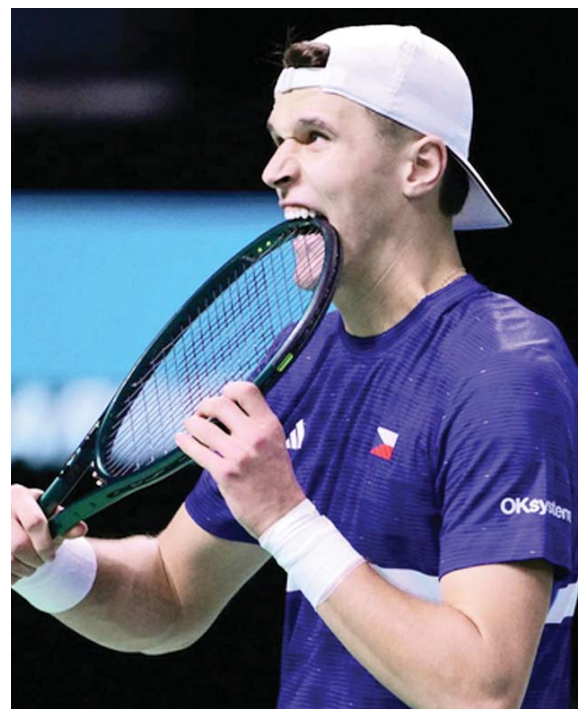

वह दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 3/5 से पीछे थे, लेकिन अगले छह में से पांच प्वाइंट जीते। पिछले साल मियामी में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के विजेता मेन्सिक ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 5/6 पर सेट प्वाइंट का सामना करते हुए क्रॉस-कोर्ट फोरहैंड पास मारा। 20 साल के मेन्सिक यूनाइटेड कप के इतिहास में सिंगल्स मैच जीतने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उनसे पहले स्टेफानोस सकेलारिडिस ने 18 साल की उम्र में जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचा था। यह कारनामा उन्होंने साल 2023 में किया था।

यूनाइटेड कप में पदार्पण करते हुए और सीजन का अपना पहला मैच खेलते हुए मेंसिक ने जीत दर्ज की। इससे पहले बारबोरा क्रेइचिकोवा ने मालीन हेल्गो को हराया था। इन दोनों जीतों के साथ ग्रुप डी मुकाबले में चेकिया ने नॉर्वे को 2-0 से मात दी। नॉर्वे इस सप्ताह 0-2 के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गया। इससे पहले, दो बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन क्रेज्सिकोवा ने यूनाइटेड कप में जीत के साथ आगाज किया, जिन्होंने नॉर्वे की हेल्गो को 6-4, 6-3 से मात दी। पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 साल 2025 के आखिर में एक और चोट के बाद 2026 डब्ल्यूटीए टूर सीजन में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 65 पर हैं। वह सितंबर में यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, जो उनके सीजन का एक महत्वपूर्ण पल था। क्रेज्सिकोवा ने कहा, मैंने लंबे समय तक नहीं खेला। मुझे जो चोट लगी थी वह सच में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं यहां हूं। मैं खेल सकती हूं। मैं इसका आनंद ले सकती हूं। मैं मुकाबला कर सकती हूं। मैं बहुत खुश हूं कि आखिरकार एक मैच खत्म कर पाई।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा करके जिया शंकर ने किया पब्लिसिटी स्टंट?

टीवी और ओटीटी की दुनिया में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री जिया शंकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं बल्कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर उठी चर्चाएं हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर जिया की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें वह एक मिस्ट्री मैन के साथ नजर आईं। बस फिर क्या था- फैंस और गॉसिप गलियारों में कयासों का दौर शुरू हो गया। इसके बाद ये भी अटकलें लगीं कि जिया ने जानबूझकर पब्लिसिटी के लिए मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर साझा की है।

दरअसल, यह चर्चा ऐसे समय पर शुरू हुई जब जिया शंकर और %बिग बॉस ओटीटी 2% के चर्चित कंटेस्टेंट अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान को लेकर पहले से ही रिलेशनशिप और सगाई की अफवाहें उड़ रही थीं। दोनों ने रियलिटी शो में साथ हिस्सा लिया था और एक म्यूजिक वीडियो में भी नजर आए थे, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, जिया और अभिषेक दोनों ही पहले इन खबरों को खारिज कर चुके हैं और खुद को सिर्फ अच्छा दोस्त बताया है। मिस्ट्री मैन के साथ तस्वीर सामने आने के बाद अफवाहों ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया। इसी के चलते अब जिया शंकर की टीम को सामने आकर स्थिति साफ करनी पड़ी। अभिनेत्री की टीम ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा कि जिया किसी भी तरह के पब्लिसिटी स्टंट या बनावटी कहानियों का हिस्सा नहीं बनतीं।

पब्लिसिटी रूमर्स पर आया टीम का रिएक्शन

टीम के मुताबिक, जिया शंकर एक ऐसी कलाकार हैं, जिनका काम खुद उनकी पहचान है। उन्हें सुर्खियों में बने रहने के लिए विवादों या निजी जिंदगी के तमाशे की जरूरत नहीं है। बयान में यह भी कहा गया कि तस्वीर साझा करने का मकसद अफवाहों को खत्म करना और ट्रोलिंग को रोकना था, न कि नई बहस को जन्म देना। जिया शंकर को लेकर उनकी टीम ने ये भी साफ किया कि अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर सीमाएं तय करती हैं और वही साझा करती हैं जो उनके मूल्यों के अनुरूप हो। वह अपने काम, आत्मविकास और स्वतंत्र सोच पर फोकस करती हैं।

आखिरी दिनों में धर्मेंद्र की हालत देख टूट गई थीं हेमा, पति को खोने का छलका दर्द

बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया था। उम्र संबंधित बीमारियों से जूझने के बाद उन्होंने 89 की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। धर्मेंद्र को गुजरे हुए महीनेभर से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। मगर दिग्गज अभिनेता को खोने का दर्द उनके परिवार और तमाम चाहनेवालों के दिल में आज भी हरा है। अब हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र को खोने का दर्द बयां किया है।

हेमा मालिनी ने अब एक लेटेस्ट इंटरव्यू में धर्मेंद्र के आखिरी दिनों के बारे में बताया है। ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में हेमा मालिनी ने कहा कि एक्टर के अंतिम दिनों में उन्हें उस तरह देखना मुश्किल था और किसी को भी इस स्थिति से नहीं गुजरना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार को उनके ठीक होने की उम्मीद थी, क्योंकि पहले भी ऐसे कई मौके आए थे जब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन वो ठीक होकर घर लौटे थे। धर्मेंद्र को खोने का दर्द बयां करते हुए हेमा मालिनी बोलीं- यह असहनीय सदमा था। वो वक्त हमारे लिए खराब रहा, क्योंकि जब उनकी तबीयत ठीक नहीं थी, तो एक महीने तक हम संघर्ष कर रहे थे। अस्पताल में जो कुछ भी हो रहा था हम लगातार उससे जूझने की कोशिश कर रहे थे। मैं, ईशा, आहाना, सनी और बॉबी हम सभी उनके साथ वहां मौजूद थे। पहले भी कई दफा ऐसा हुआ था जब वो (धर्मेंद्र) अस्पताल गए थे और ठीक होकर लौटे थे।

मेट्रो बाजार

भारत चावल उत्पादन में चीन को पीछे छोड़ दुनिया में पहले स्थान पर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत चावल उत्पादन में चीन को पछाड़ दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गया है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ओर से दी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत 150.18 मिलियन टन के साथ चावल उत्पादन में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच गया है। वहीं, चीन का चावल उत्पादन 145.28 मिलियन टन रहा है। चौहान ने कहा कि भारत ने यह सफलता उच्च पैदावार वाले बीजों के विकास से हासिल की है। साथ ही, देश अब दुनिया के बाजारों में एक बड़ा चावल निर्यात देश भी है।

केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित 25 फसलों की 184 उन्नत किस्मों को लॉन्च किया। इन 184 किस्मों में 122 अनाज, 6 दालें, 13 तिलहन, 11 चारा फसलें, 6 गन्ना, 24 कपास और जूट एवं तंबाकू की एक-एक किस्म शामिल हैं। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये नई किस्में किसानों तक शीघ्रता से पहुंचें। नई उन्नत किस्मों के महत्व को समझाते हुए चौहान ने कहा कि किसानों को इनसे लाभ होगा क्योंकि इनसे अधिक पैदावार और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल प्राप्त करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कृषि वैज्ञानिकों से भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने को भी कहा। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछले 11 वर्षों में 3,236 उच्च उपज वाली किस्मों को मंजूरी दी गई है।

सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट ने 2025 में तोड़े सभी रिकॉर्ड, यात्री सात करोड़ के पार

नई दिल्ली। वैश्विक विमानन उद्योग में महामारी के बाद की सुस्ती अब बीते कल की बात हो गई है। सिंगापुर के प्रतिष्ठित चांगी हवाई अड्डे ने 2025 में यात्री यातायात के मामले में न केवल पिछले साल के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है, बल्कि अपने इतिहास के सबसे उच्चतम स्तर को भी छू लिया है। इस ऐतिहासिक उछाल के बीच, सिंगापुर सरकार ने भविष्य के मेगा टर्मिनल (टर्मिनल 5) के निर्माण को तेज करने का बड़ा फैसला लिया है।

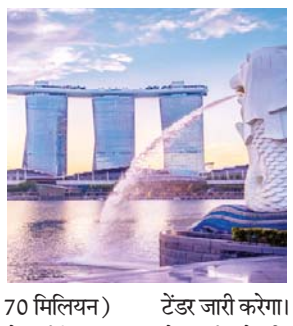

कार्यवाहक परिवहन मंत्री जेफरी सियो ने एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान बताया कि चांगी हवाई अड्डे पर 2025 में कुल यात्री संख्या 7 करोड़ (70 मिलियन) तक पहुंच गई है। यह आंकड़े में 2024 में दर्ज किए गए 6.77 करोड़ (67.7 मिलियन) अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि 2025 का यह आंकड़ा एक ऑल टाइम हाई है। इसने कोविड महामारी से पहले 2019 में बनाए गए 6.83 करोड़ यात्रियों के पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर लिया है, जो विमानन क्षेत्र में पूर्ण और मजबूत रिकवरी का संकेत है। यात्री संख्या में इस भारी वृद्धि ने सरकार को टर्मिनल 5 (टी5) परियोजना पर तेजी से आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है, जिसे महामारी के दौरान रोक दिया गया था। मंत्री सियो ने बताया कि चांगी एयरपोर्ट ग्रुप (सीएजी) जल्द ही T5 के सुपरस्ट्रक्चर के निर्माण के लिए टेंडर जारी करेगा। क्षमता में भारी इजाफाः T5 के बनने से हवाई अड्डे की यात्री क्षमता मौजूदा 9 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ प्रति वर्ष हो जाएगी, जो कि 55 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

हिमालय से प्रवासी पक्षी पहुंचे भितरकनिका

केंद्रपाड़ा। हिमालयी क्षेत्र से प्रवासी पक्षियों ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में स्थित भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के आर्द्रभूमि स्थलों में जत्थों में पहुंचना शुरू कर दिया है। भितरकनिका के क्षेत्र एक बार फिर ठंडे उत्तरी गोलार्ध से आने वाले पक्षियों के लिए एक अनुकूल और मानव हस्तक्षेप से मुक्त शीतकालीन आवास के रूप में उभरे हैं। ओडिशा के चिल्का और भितरकनिका भूमि इन प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा ठिकाना है।

न्यूज विंडो

जापान में भूकंप से कांपी धरती जानमाल का नुकसान नहीं

टोक्यो। जापान एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों से सहम गया है। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता मापी गई। सूचना के अनुसार अभी तक किसी तरह से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। मंगलवार को पश्चिमी जापान में एक शक्तिशाली भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार प्रारंभिक तीव्रता 6.2 वाले इस भूकंप का केंद्र उत्तर पश्चिमी जापान के शिमाने प्रांत में था। भूकंप के झटकों से मात्सुए प्रांत की राजधानी और आसपास के शहर, जिनमें पड़ोसी तोत्तोरी प्रांत के कुछ शहर भी सहम गए। एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र तट से लगभग 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई पर स्थित था, और साथ ही यह भी कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है। भूकंप से किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। परमाणु नियामक प्राधिकरण ने कहा कि शिमामे परमाणु ऊर्जा संयंत्र और क्षेत्र में स्थित एक संबंधित सुविधा में कोई असामान्यता नहीं पाई गई। जापान तथाकथित प्रशांत अग्नि-वलय क्षेत्र में स्थित है, जो दुनिया के सबसे अधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक है।

मोबाइल देखते हुए 10 साल के बच्चे को आया हार्टअटैक... मौत

अमरोहा। अमरोहा के मंडी धनौरा में कक्षा चार के एक बच्चे की मोबाइल फोन देखते समय मौत हो गई। प्रथम दृष्टया बालक की मौत हृदयगति बंद होने की वजह से मानी जा रही है। मौत की जानकारी होने पर परिजन फूट-फूट कर रोने लगे। घटना बीती 28 दिसंबर की है।गांव झुझैला चक में दीपक सैनी का परिवार रहता है। उनका 10 साल का पुत्र मयंक पास के ही गांव कैसरा के एक स्कूल में कक्षा चार का छात्र था। वह बीती 28 दिसंबर की दोपहर करीब तीन बजे अपने घर में पलंग पर बैठकर मोबाइल फोन देख रहा था। मोबाइल फोन देखते हुए मयंक अचानक पीछे की ओर गिर गया। परिजनों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। कुछ देर बाद मयंक की मां ने उसे पलंग पर बेसुध पड़ा देखा तो वह चौंक गईं। उन्होंने इसकी जानकारी अपने पति दीपक को दी।परिजन उसे गांव के ही एक चिकित्सक के पास ले गए। उसने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होने पर परिजन फूट-फूट कर रोने लगे। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीण व रिश्तेदार भी आ गए।

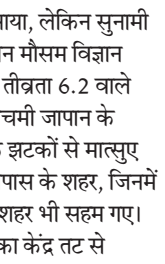

यूपी में 12.55 करोड़ मतदाताओं की रफ सूची आज होगी जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग आज कच्ची मतदाता सूची जारी करेगा। इसमें 12.55 करोड़ मतदाता होंगे। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। यह स्थानांतरित, अनुपस्थित व मृत आदि श्रेणी में हैं। सभी जिलों में ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सोमवार को बैठक कर तैयारियों को जायजा लिया। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा गया है कि वे शुद्ध मतदाता सूची जारी करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। मंगलवार से छह फरवरी तक मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। वहीं 27 फरवरी तक इन दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन छह मार्च को किया जाएगा।जिन 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे, उनमें 1.26 करोड़ स्थायी रूप से स्थानांतरित, 46 लाख मृत, 23.70 लाख डुप्लीकेट, 83.73 लाख अनुपस्थित व 9.57 लाख अन्य श्रेणी के मतदाता हैं।

अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा जारी, 18 दिनों में 6 हिंदुओं का कत्ल

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या, 24 घंटे में दूसरी घटना

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। उस्मान हादी की हत्या के बाद भड़की हिंसा में 18 दिनों में 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इनमें से दो हत्याएं बीते 24 घंटे में अंजाम दी गई हैं। हैरान करने वाली बात है कि इन हत्याओं के बावजूद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार के कान पर जूं नहीं रेंग रही है।

बांग्लादेश के नरसिंगदी में एक किराने की दुकान के मालिक शरत चक्रवर्ती मणि की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वहीं सोमवार के ही दिन जशोर के मनीरामपुर में गोली मारने के बाद गला काट कर हिंदू पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की नृशंस हत्या को अंजाम दिया गया।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी ढाका के बाहरी इलाके नरसिंगदी में 40 वर्षीय हिंदू युवक शरत चक्रवर्ती मणि की चरमपंथियों धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शरत नरसिंगदी के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराने की दुकान पर थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जब स्थानीय लोग उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, तो रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे। मृतक शरत चक्रवर्ती मणि पहले दक्षिण कोरिया में काम करते थे और कुछ साल पहले बांग्लादेश लौट आए थे।

घरों में लगा रहे आग, दहशत में माइनॉरिटी

इससे पहले 3 जनवरी को 50 साल के खोकन चंद्र दास की बेरहमी से हमला करने, काटने और आग लगाने के बाद मौत हो गई। 24 दिसंबर को राजबाड़ी शहर के पांगशा उपजिला में कथित उगाही के आरोप में एक और हिंदू व्यक्ति अमृत मंडल को पीट-पीटकर मार डाला गया।इससे भी पहले 18 दिसंबर को मैमनसिंह शहर में 25 साल के दीपू चंद्र दास को कथित तौर पर ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को आग लगा दी।एक दूसरी घटना में 23 दिसंबर को चटगांव के बाहरी इलाके में राउजान इलाके में कुछ अज्ञात लोगों ने कतर में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों शुख शिल और अनिल शिल के घर में आग लगा दी। हालांकि, घर में रहने वाले लोग बिना किसी नुकसान के बच निकलने में कामयाब रहे।

आरोपी अर्जुन पर पिता का बड़ा खुलासा

निकिता हत्याकांड: वह मेरी बेटी का प्रेमी नहीं, रूममेट था

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के मैरीलैंड राज्य में भारतवंशी युवती निकिता गोदिशाला की चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया गया। इस पूरे मामले में युवती के पूर्व प्रेमी और आरोपी अर्जुन शर्मा को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि निकिता न्यू ईयर से लापता थी। 27 वर्षीय निकिता का शव अर्जुन के अपार्टमेंट में मिला था। अब इस पूरे घटनाक्रम पर मृतका के पिता आनंद गोदिशाला ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

हैदराबाद में जन्मीं निकिता गोदिशाला के पिता ने कथित तौर पर इस दावे को खारिज कर दिया कि आरोपी उनका पूर्व प्रेमी था। इसी के साथ उन्होंने अपनी बेटी की मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के लिए कड़ी सजा की मांग की है।27 वर्षीय भारतीय मूल की युवती मैरीलैंड के एक अपार्टमेंट में चाकू के घावों के साथ मृत पाई गई। कुछ दिन पहले ही उसके लापता होने की सूचना एक व्यक्ति ने दी थी, जिसे स्थानीय अधिकारियों ने उसका पूर्व प्रेमी बताया है। अमेरिकी पुलिस ने 26 वर्षीय अर्जुन शर्मा के खिलाफ प्रथम और द्वितीय श्रेणी हत्या के आरोप में गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है।

अर्जुन ने कई लोगों से उधार लिए थे पैसे

पिता ने अर्जुन शर्मा को उसका पूर्व प्रेमी बताए जाने का पुरजोर खंडन किया है। निकिता के पिता ने कहा कि वह (अर्जुन शर्मा) उसका पूर्व रूममेट था, न कि उसका पूर्व प्रेमी। आनंद के अनुसार अर्जुन पहले निकिता के साथ दो अन्य व्यक्तियों के साथ उस अपार्टमेंट में रूममेट के रूप में रहता था। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए आनंद ने कहा कि उनकी बेटी को हाल ही में पता चला था कि अर्जुन ने कई लोगों से पैसे उधार लिए थे और भारत लौटने की योजना बना रहा था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें दोनों के बीच किसी भी पुष्ट वित्तीय विवाद की जानकारी नहीं थी।

ओवैसी ने नवनीत के बयान के बाद ली चुटकी,कहा-

मेरे 6 बच्चे हैं, तुम 8 बच्चे पैदा करो, तुम्हें कौन रोक रहा है...

मुंबई। बीजेपी नेता नवनीत राणा के ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले बयान के बाद AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पलटवार किया है और नवनीत का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा है। ओवैसी ने कहा कि उनके छह बच्चे हैं और उन्होंने सवाल किया कि 'तुम्हें आठ बच्चे पैदा करने से कौन रोक रहा है'।

महाराष्ट्र के अकोला में एक रैली में ओवैसी ने कहा, 'मेरे छह बच्चे हैं और मेरी दाढ़ी सफेद हो रही है। किसी ने कहा कि चार बच्चे होने चाहिए। चार ही क्यों? आठ बच्चे पैदा करो, तुम्हें कौन रोक रहा है? 'दरअसल इससे पहले नवनीत राणा ने कहा था कि कुछ लोगों की कई पत्नियां और कई बच्चे होते हैं, जिससे उनकी आबादी बढ़ती रहती है और इसे रोकने के लिए, हिंदुओं को भारत की रक्षा के लिए 'कम से कम तीन से चार बच्चे' पैदा करने चाहिए। बीजेपी नेता राणा ने कहा था, 'मैं सभी हिंदुओं से अपील करती हूं। सुनिए, ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए।'

वेनेजुएला में राष्ट्रपति भवन के पास गोलीबारी सुने गए जोरदार धमाके, सुरक्षा बढ़ाई गई

काराकस,एजेंसी

वेनेजुएला की राजधानी काराकस में राष्ट्रपति भवन पालासिओ डी मिराफ्लोरेस के पास गोलीबारी और विस्फोट की तेज आवाज सुनने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई। यह घटना अमेरिकी सेना के हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के दो दिन बाद हुई है। वेनेजुएला के सुरक्षाबलों ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। अमेरिका ने कहा कि इस घटना में उसका हाथ नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक वीडियो में काराकस के ऊपर एंटी-एयरक्राफ्ट फायरिंग दिखाई दे रही है। एक अन्य वीडियो में राजधानी में गोलीबारी की आवाज भी सुनी जा सकती है। एक नागरिक ने पुष्टि कि उसने मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन के पास उरडानेटा एवेन्यू के पास गोलीबारी की आवाज सुनी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने गलतफहमी के कारण यह गोलीबारी की। एक सूत्र के अनुसार, राष्ट्रपति भवन के ऊपर ड्रोन दिखने पर गोली चलाई गई।उल्लेखनीय है कि एंटी-एयरक्राफ्ट फायरिंग रक्षात्मक प्रणाली है। इसका उपयोग दुश्मन के हवाई हमलों (जैसे विमान, मिसाइल या ड्रोन) को नष्ट करने के लिए किया जाता है।

स्मृति शेष

पूर्व सांसद सुरेश कलमाड़ी आज दुनिया को कह गए अलविदा

एक पायलट और खेल प्रशासक, कॉमनवेल्थ के बाद खूब हुई चर्चा

पुणे, एजेंसी

वर्ष 2010 में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ खेलों से सर्वाधिक चर्चा बटोरने वाले पूर्व सांसद सुरेश कलमाड़ी ने आज पुणे में अंतिम सांस ली। पायलट और खेल प्रशासक के रूप में अपनी विशेष पहचान बनाने वाले कलमाड़ी कभी एक पायलट के तौर पर आसमान की बुलंदियों को छूने में माहिर रहे थे। हालांकि, इनके जीवन में एक दौर ऐसा भी आया जब उन्हें विवादों से भी जूझना पड़ा।

1977 में रखा राजनीति में कदम

1977 में उन्हें पुणे के भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। अगले वर्ष ही उन्होंने महाराष्ट्र युवा कांग्रेस के अध्यक्ष का पदभार संभाला, जिस पर वे 1978 से 1980 तक रहे। 1980 में महाराष्ट्र एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में कलमाड़ी ने मॉस्को ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली मैराथन टीम के चयन परीक्षण का संचालन किया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 1995 से 1996 के बीच रेल राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने लंबे समय तक लोकसभा सांसद के तौर पर पुणे का प्रतिनिधित्व किया। 1982 में वे पहली बार लोकसभा पहुंचे और इसके बाद 1985 से 1995 तक लगातार चार बार संसद सदस्य रहे।

राजनीति और खेल प्रशासन की दुनिया में जाना-पहचाना नाम

सुरेश कलमाड़ी भारतीय राजनीति और खेल प्रशासन की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम रहे हैं। वे लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे और खास तौर पर 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन से जुड़े विवादों के कारण चर्चा में आए। उनका जीवन राजनीति, प्रशासन और विवाद- तीनों का मिश्रण रहा है।सुरेश कलमाड़ी का जन्म 10 मई 1944 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा पुणे में ही हासिल की और बाद में उच्च शिक्षा भी यहीं से पूरी की। छात्र जीवन से ही वे सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हो गए थे। राजनीति में आने से पहले उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ काम किया, जिससे उन्हें जनसंपर्क और संगठनात्मक अनुभव मिला। राजनीति में आने से पहले कलमाड़ी ने 1964 से 1972 तक भारतीय वायु सेना में पायलट के रूप में सेवा की और 1974 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए।

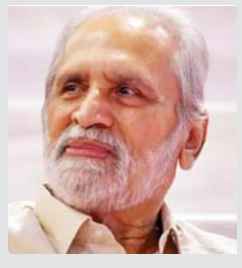

कॉमनवेल्थ गेम्स से लगा दाग

कलमाड़ी का नाम खेल प्रशासन से भी जुड़ा रहा। वे इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बने और अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसी भूमिका में रहते हुए उन्हें 2010 में दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति का अध्यक्ष बनाया गया। हालांकि, कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 का आयोजन भारी विवादों में घिर गया। आयोजन में देरी, घटिया निर्माण कार्य, लागत में भारी बढ़ोतरी और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया कि खेलों के आयोजन में सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ। इन आरोपों के चलते सुरेश कलमाड़ी को 2011 में गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564